दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी www.Bharatdeshhamara.com DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA

रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 42 अंक 115 पटियाला सोमवार 27 अप्रैल 2026 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

झारखंड में हादसे में छह मरे

रांची 26 अप्रैल (निस)झारखंड के हजारीबाग जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां एक एसयूवी कार और ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई जिसमें 3 नाबालिगों समेत 6 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना शनिवार शाम करीब छह बजे दनुआ घाटी इलाके में हुई।

बिहार केबिनेट का विस्तार जल्द

पटना 26 अप्रैल (निस) बिहार में नई एनडीए सरकार के गठन के बाद अब सभी की निगाहें मंत्रिमंडल विस्तार पर आकर टिक गई हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्रियों के शपथ लेने के बावजूद अभी तक पूर्ण कैबिनेट का गठन नहीं हुआ है। इस देरी को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चा चल रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की पार्टी में हमला, चार-पांच राउंड फायरिंग, बाल-बाल बचे, हमलावर को दबोचा

व्हाईट हाउस में अफरा तफरी, प्रधानमंत्री मोदी सहित वैश्विक नेताओं ने जताई चिंता, कहा-लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं

वॉशिंगटन 26 अप्रैल (निस)

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान एक बड़े सुरक्षा हादसे ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। इस कार्यक्रम के दौरान एक संदिग्ध हमलावर द्वारा फायरिंग की घटना सामने आई, जिसके बाद तत्काल सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घटना के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी के पास कई हथियार थे और वह कैलिफोर्निया का रहने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संदिग्ध की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलेन के रूप में हुई है, जो टॉरेंस,

कैलिफोर्निया का निवासी बताया जा रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आरोपी की तस्वीरें और एक वीडियो क्लिप भी साझा की, जिसमें वह सुरक्षा चेकपॉइंट पार करने की कोशिश करते हुए नजर आ रहा है, हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत काबू में कर लिया।घटना के समय राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप भी कार्यक्रम में मौजूद थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से उन्हें और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। हालांकि, सुरक्षा कारणों से कार्यक्रम को बीच में ही रद्द कर दिया गया, जिसे अब अगले 30 दिनों के भीतर दोबारा आयोजित किया जाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने इस हमले को अप्रत्याशित बताते हुए आरोपी को लोन वुल्फ और मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति करार दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं पहली बार नहीं हैं और कई बार प्रमुख राजनीतिक हस्तियों को निशाना बनाया जाता रहा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वे ऐसे हमलों से डरने वाले नहीं हैं और कार्यक्रम को जारी रखने के लिए उन्होंने पूरी कोशिश की। एफबीआई ने भी बयान जारी कर पुष्टि की है कि आरोपी हिरासत में है और मामले की जांच वॉशिंगटन फील्ड ऑफिस द्वारा की जा रही है। घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है।

पीएम मोदी सहित वैश्विक नेताओं ने की हमले की निंदा–वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में आयोजित वार्षिक कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई अचानक गोलीबारी ने न केवल अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया है। इस सुरक्षा चूक और हिंसा की घटना पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि यह जानकर बड़ी राहत मिली है कि राष्ट्रपति ट्रंप, फर्स्ट लेडी और **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

आतंकी हमले का जवाब पीएम ने आप्रेशन सिंदूर से दिया-अमितशाह

ममता का कुशासन का अंत समीप, घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे

नादिया 26 अप्रैल (निस) गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल में बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी जन सभा को संबोधित किया। नदिया के तेहट्टा विधानसभा में अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ञ्जरूष्ट ने किसानों की अनदेखी की है पहले चरण में टीएमसी का सूपड़ा साफ हो गया है। पश्चिम बंगाल की तेहट्टा, नादिया में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि...जब ममता बनर्जी और कांग्रेस की सरकार थी तब आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते थे। 2014 में पीएम मोदी की सरकार आई उरी पर हमला हुआ तो सर्जिकल स्ट्राइक की, पुलवामा में हमला हुआ एयरस्ट्राइक की और पहलगाम में

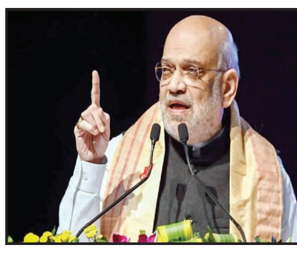

हमला हुआ, पाकिस्तान के घर में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर करके आतंकवादियों का सफाया किया गया। पीएम मोदी ने इस देश को आतंकवाद से मुक्त किया है। पीएम मोदी ने इस देश को नक्सलवाद से मुक्त किया है और अब भाजपा सरकार ला दीजिए, चुन-चुन कर घुसपैठियों को निकालने का काम हम करेंगे... दीदी कहती हैं कि एसआईआर करके घुसपैठियों का नाम क्यों निकाल रहे हो? दीदी, आपका समय समाप्त हो चुका है।अमित शाह ने कहा, 4 मई को भाजपा सरकार बनने वाली है। मई महीने के बाद बंगाल की हर दीदी, माता, बहन के खाते में हर महीने 3 हजार रुपये भाजपा सरकार भेजने वाली है और सारे बेरोज़गार युवाओं के बैंक खाते में हर महीने 3 हजार रुपये भेजे जाएंगे। सारी माताओं- बहनों को बस में कोई टिकट नहीं लेना है, मुफ्त में यात्रा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि 4 तारीख को भाजपा सरकार आने वाली है... भाजपा का मुख्यमंत्री आने के बाद सिर्फ मतदाता सूची से नहीं, पूरे बंगाल की भूमि से घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकालेंगे।

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा बनाए रखना हमारा दायित्व- सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली 26 अप्रैल (निस) प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका और उससे जुड़ी संस्थाओं में जनता का गहरा विश्वास है और इस विश्वास को बनाए रखना सभी का दायित्व है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यहां एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज (राजस्थान चैप्टर) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने पूर्व न्यायाधीशों की तुलना %बावड़ी% से करते हुए उन्हें ज्ञान का भंडार बताया, जो कठिन परिस्थितियों में व्यवस्था का मार्गदर्शन कर सकते हैं। सीजेआई ने कहा, जिस प्रकार राजस्थान में बावड़ियां बरसात के मौसम में पानी संचित कर सूखे समय में उपयोगी होती हैं, उसी प्रकार सेवानिवृत्त न्यायाधीश हमारे लिए एक बहुमूल्य संसाधन हैं। लोक अदालतों, मध्यस्थता और सलाहकार भूमिकाओं में उनका अनुभव अत्यंत उपयोगी है।

न्यायिक संस्थाओं को अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता

सीजेआई ने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सहित सभी न्यायिक संस्थाओं को अधिक सतर्क और जागरूक रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संबोधन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लोग न्यायाधीशों के शब्दों को अत्यंत सम्मान के साथ स्वीकार करते हैं, जो न्यायपालिका पर जनता के गहरे विश्वास को दर्शाता है।

तनाव एवं संघर्ष के दौर से गुजर रही दुनिया के लिए भगवान बुद्ध के विचार अधिक प्रासंगिक-पीएम मोदी

नई दिल्ली 26 अप्रैल (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कर रहे हैं। इस दौरान वह कई विषयों पर अपने श्रोताओं संग जानकारी साझा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम %मन की बात% में देश और विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा कर रहे हैं। यह इस कार्यक्रम का 133वां एपिसोड है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 133वें संस्करण में कहा, आज दुनिया जिस तरह के तनावों और संघर्षों से गुजर रही है, ऐसे में बुद्ध के विचार और भी अहम हो गए हैं। दक्षिण अमेरिकी के चिली में एक

संस्था भगवान बुद्ध के विचार को आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 133वें संस्करण में कहा, बरसात खत्म होते ही कच्छ के रण की धरती जीवंत हो जाती है। हर साल लाखों फ्लैमिंगो यहां आते हैं। पूरा इलाका गुलाबी रंग से रंग जाता है, इसलिए इसे फ्लैमिंगो सिटी कहा जाता है। ये पक्षी यहीं घोसलें बनाते हैं और अपने बच्चों को बड़ा करते हैं। कच्छ के लोग इन्हें लाखा जी के बाराती कहते हैं। अब लाखा जी के ये बाराती कच्छ में पर्यावरण संरक्षण के बड़े सुंदर प्रतीक बन गए हैं। मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 133वें संस्करण में कहा, आप सभी जानते हैं कि हमारे देश में अब 23 जनवरी यानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती से लेकर 30 जनवरी यानी गांधी जी की पुण्यतिथी तक गणतंत्र का महोत्सव मनाया जाता है, इसी का अहम हिस्सा होता है %बीटिंग रिट्रीट%। आपने देखा होगा कि यह समारोह अलग-अलग बैंड्स की विविध संगीत परंपरा को दर्शाता है, बीते कुछ सालों से इसमें भारतीय संगीत का समावेश बढ़ा है। इस साल का बीटिंग रिट्रीट समारोह बहुत यादगार था। भारत ने विज्ञान को हमेशा देश की प्रगति से जोड़कर देखा है। इसी सोच के साथ हमारे वैज्ञानिक सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके प्रयासों से यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहा है। इससे हमारे इंडस्ट्रियल ग्रोथ, एनर्जी क्षेत्र, **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

मान सरकार ने हरभजन सिंह की सुरक्षा वापिस ली, केन्द्र ने दी जैड श्रेणी की सुरक्षा

चंडीगढ़ 26 अप्रैल (निस) पंजाब की राजनीति में हालिया घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है, जब राज्य सरकार ने पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह की जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस लेने का फैसला किया। यह कदम तब उठाया गया है, जब राज्य की सियासत में अंदरूनी खींचतान और संभावित बगावत की चर्चाएं तेज हैं। रविवार सुबह जालंधर स्थित उनके आवास से सुरक्षाकर्मियों को हटा लिया गया, जिससे राजनीतिक

हलकों में हलचल मच गई।पंजाब की मान सरकार के फैसले के तुरंत बाद केंद्र ने हस्तक्षेप करते हुए हरभजन को सुरक्षा प्रदान कर दी। इससे संकेत मिला कि केंद्र और राज्य के बीच मुद्दे पर अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा में यह बदलाव हाल के घटनाक्रमों से जुड़ा हुआ माना जा रहा है, जिसमें आप के कुछ नेताओं के पार्टी छोड़ने की अटकलें शामिल हैं।इसी कड़ी में राघव चडडा का नाम भी चर्चा में आया है। खबरों में दावा किया गया कि उन्होंने पार्टी के कई राज्यसभा सांसदों के संभावित दल-बदल की बात कही थी, जिसमें हरभजन सिंह का नाम भी जुड़ गया। हालांकि हरभजन ने भी इस पूरे मामले पर अभी तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कांग्रेस वर्कर की हत्या पर भड़के राहुल गांधी, कहा-बंगाल में जंगल राज

कोलकाता 26 अप्रैल (निस) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बंगाल के आसनसोल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की चुनाव बाद हुई हत्या पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस घटना के लिए सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में वर्तमान में लोकतंत्र पूरी तरह समाप्त हो चुका है और वहां केवल टीएमसी का गुंडाराज चल रहा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि देबदीप चटर्जी की हत्या टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा की गई है, जो बेहद निंदनीय है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चुनाव के बाद विरोधी आवाजों को डराना, उनकी हत्या करना और उन्हें मिटाना ही अब तृणमूल कांग्रेस का असली चरित्र बन चुका है। पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा की नहीं रही।

इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर बड़ा विमान हादसा टला, इंजन में लगी आग, 6 यात्री जरखमी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (निस) नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार तड़के एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब दिल्ली से ज्यूरिख जा रही स्विस इंटरनेशनल एयरलाइंस (स्विस) की फ्लाइट एलएक्स147 के इंजन में अचानक खराबी आ गई और उसमें आग की लपटें दिखाई देने लगीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तत्काल टेकऑफ रद्द कर दिया और विमान को रनवे पर ही रोक दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एयरबस ए330 विमान रात करीब 1:08 बजे रनवे 28 पर टेकऑफ के लिए तेजी से दौड़ रहा था। इसी दौरान एक इंजन में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद आग लगने की आशंका पैदा हो गई। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, विमान लगभग 104 नॉट्स की रफ्तार तक पहुंच चुका था,

लेकिन समय रहते निर्णय लेते हुए क्रू ने टेकऑफ रोक दिया। स्थिति को देखते हुए यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा के लिए तुरंत इमरजेंसी इवेक्यूएशन का निर्णय लिया गया। यात्रियों को आपातकालीन स्लाइड के जरिए विमान से बाहर निकाला गया। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिसमें छह यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कर्नाटक में फिर सियासी हलचल, सीएम बदलने को लेकर अटकलों का बाजार गर्म

बेंगलुरु, 26 अप्रैल (निस) कर्नाटक कांग्रेस में इन दिनों अंदरूनी खींचतान तेज होती नजर आ रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के दिल्ली दौरे और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की बेंगलुरु में बंद कमरे की बैठक ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। इन घटनाक्रमों के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दावणगेरे उपचुनाव से जुड़ा विवाद अब पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन की लड़ाई का रूप लेता दिख रहा है। एक ओर शिवकुमार खेमे के नेता सक्रिय हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सिद्धारमैया समर्थक भी अपनी रणनीति को मजबूत करने में जुट गए हैं। इसी बीच, सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के कनिंघम रोड स्थित एक निजी स्थान पर अपने करीबी मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में जी. परमेश्वर, के. एच. मुनियप्पा, सतीश जरकीहोली, जमीर अहमद खान और दिनेश गुंडू राव समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में संभावित कैबिनेट फेरबदल और पार्टी के अंदरूनी मुद्दों पर चर्चा की गई।

पंजाब, हरियाणा सहित अनेक राज्यों में भीषण गर्मी का दौर जारी, कई जगहों पर बारिश व ओलावृष्टि के आसार

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (निस) भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से जूझ रहे भारत के कई राज्यों के लिए राहत की खबर सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, जहां एक ओर मैदानी इलाकों में सूरज की तपिश चरम पर है, वहीं दूसरी ओर पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश और तूफान की प्रबल संभावना बनी हुई है, जिसका असर आसपास के राज्यों पर भी देखने को मिलेगा।मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 26 से 28 अप्रैल के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जहाँ हवाओं की गति 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, 28 से 30 अप्रैल के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में भी छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है। मैदानी राज्यों की बात करें तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में 27 से 30 अप्रैल के दौरान मौसम में बदलाव दिखेगा। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में भी 28 अप्रैल से 1 मई के बीच गरज और तेज हवाओं के साथ बारिश होने के आसार हैं।पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश का बांदा 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म स्थान रहा, लेकिन आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट की उम्मीद है। आईएमडी का कहना है कि 28 अप्रैल से उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है,

जिससे लू से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आगामी कुछ दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 27 अप्रैल से 1 मई के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। विशेषकर असम और मेघालय में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाले भीषण तूफान की चेतावनी दी गई है, जिससे जलभराव और दृश्यता कम होने की आशंका है।

पूर्वी भारत में झारखंड और दक्षिण के उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 26 और 27 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा में भी तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने आम जनता को सलाह दी है कि जब तक तापमान में गिरावट नहीं आती, तब तक दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचें।

भारत-चीन के बीच रूसी तेल को लेकर खींचतान, सऊदी अरब में भी लगाई सेंध

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (निस)

इजराइल-अमेरिका के साथ चल रहे ईरान युद्ध ने भारत और चीन को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां 'दोस्ती' नहीं, बल्कि 'जरूरत' मायने रखती है। होर्मुज में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच ठप पड़ी शांति वार्ता ने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की किल्लत पैदा कर दी है। इसके परिणामस्वरूप अब भारत और चीन के बीच रूसी तेल के हर एक बैरल को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज के रास्ते में ईरान की घेराबंदी और खाड़ी देशों के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे हमलों ने मिडिल ईस्ट से आने वाले तेल की आपूर्ति पर ब्रेक लगा दिया है। आज वे अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह रूस की तरफ मुड़ गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी कच्चे तेल के लिए भारत और चीन के बीच मुकाबला अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है।

हुगली रैली की शुरुआत पीएम ने बांग्ला भाषा से की...

पहले चरण के मतदान से टीएमसी की भारी हार निश्चित, बदलाव आएगा-पीएम मोदी

कोलकाता 26 अप्रैल (निस) पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग होनी है। इस चुनाव प्रचार के सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 24 परगना जिले के बनगांव में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने ममता बनर्जी की सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे जंगलराज करार दिया। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण की वोटिंग में ही टीएमसी का घमंड टूट चुका है और अब दूसरे चरण में बीजेपी की जीत पक्की है। पीएम ने जनता से टीएमसी के भ्रष्टाचार, डर और गुंडागर्दी से आजादी पाने के लिए बीजेपी को वोट देने की अपील की।

टीएमसी के जंगलराज पर हमला - पीएम मोदी ने कहा कि 15 साल पहले टीएमसी %मां-माटी-मानुष% का नारा देकर सत्ता में आई थी,

लेकिन आज वे ये शब्द लेने से भी कतराते हैं। उन्होंने टीएमसी पर बंगाल की जमीन को सिंडिकेट और घुसपैठियों के हवाले करने का आरोप लगाया। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के शब्दों को याद दिलाते हुए जनता से कहा, आज बंगाल को आपसे बस एक वोट की जरूरत है। मुझे अपना आशीर्वाद दें, हम आपको टीएमसी के भ्रष्टाचार, डर, और गुंडाराज से आजादी दिलाएंगे। संदेशखाली और महिला सुरक्षा पर सवाल -प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से संदेशखाली की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि टीएमसी के राज में बहनें और बेटियां सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार गुंडों का साथ दे रही है और बेटियां गायब हो रही हैं। पीएम ने कड़ा रुख अपनाते हुए वादा किया कि 4 मई के बाद बीजेपी सरकार गुंडों से एक-एक करके हिसाब लेगी।किसानों और महिलाओं के लिए बीजेपी के बड़े वादे -पीएम मोदी ने किसानों और महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया।

किसानों के लिए- जूट का MSP दोगुना कर दिया गया है और जूट किसानों से खरीद तीन गुना बढ़ाई गई है। गेहूं और चावल के लिए जूट की पैकिंग जरूरी की गई है।

स्वास्थ्य सेवा- बीजेपी सरकार जनता को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराएगी। जन औषधि केंद्रों पर दवाएं 80 फीसदी छूट पर दी जाएंगी। स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की जांच और टीकाकरण मुफ्त किया जाएगा।

बेटियों के लिए आर्थिक मदद- गर्भावस्था के दौरान 21,000 रुपये और ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने पर बेटियों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। पीएम ने भरोसा दिलाया कि बीजेपी सरकार बेटियों की शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल का पूरा ध्यान रखेगी।

सम्पादकीय

एक देश, 2 मतदाता सूची, 2 किस्म के नागरिक

देश में इस समय एसआईआर केंद्रीय चुनाव आयोग, राज्य चुनाव आयोग केंद्र सरकार और राज्य सरकारोंके चुनाव अधिकारों को लेकर देशभर में चर्चा का विषय बनकर सामने आ रहे हैं। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव कराने की जिम्मेदारी केंद्रीय चुनाव आयोग की होती है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 22 से अधिक राज्यों में एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची के शुद्धिकरण का अभियान चला रखा है। अभी तक जिन राज्यों में एसआईआर हुई है, उन राज्यों में लगभग 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग ने उन्हें मतदान योग्य नागरिक नहीं माना है। जिस तरह से अभी तक एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, उसके अनुसार एसआईआर का काम पूर्ण होने पर लगभग 10 करोड़ मतदाताओं के नाम कटना तय माना जा रहा है। इसी बीच राज्य चुनाव आयोग द्वारा भी नगरीय निकायों और पंचायत चुनावों के लिए अलग से मतदाता सूची तैयार की जाती है राज्य स्तर की मतदाता सूची और केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा तैयार की गई मतदाता सूची में बड़े राज्यों में करोड़ों मतदाताओं का अंतर है। इस बात को सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उजागर करते हुए कहा था, राज्य की मतदाता सूची में जो नाम दर्ज हैं, उनके नाम केंद्रीय मतदाता सूची में क्यों नहीं हैं। यही सवाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी लगातार उठाती आ रही हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय एवं पंचायत के चुनाव की तैयारी शुरु हो गई है। म.प्र. के राज्य चुनाव आयुक्त ने कहा है, 2027 में होने वाले चुनाव पुराने परिसीमन के आधार पर ही चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। हाल ही में केंद्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर जो परिसीमन हुआ था। वह मतदाता सूची राज्य चुनाव आयोग मान्य नहीं कर रहा है। जिस तरह की स्थिति देश में चुनावों को लेकर बन रही है, उसमें केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग की मतदाता सूची को लेकर विवाद की स्थिति बन रही है। राज्य सरकारों और राज्य चुनाव आयोग राज्य की तैयार मतदाता सूची से ही चुनाव कराना चाहती हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ तो संपूर्ण राज्य में जगह-जगह मतदाता विरोध में खड़े हो जाएंगे। राज्यों में स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों का चुनाव होता है। ऐसी स्थिति में राज्यों की राजनैतिक एवं कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। जिस तरह के हालत अभी देखने को मिल रहे हैं। उसके बाद यह कहने में संकोच नहीं है, भारत एक देश है। इसके बाद भी केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग की मतदाता सूची अलग-अलग है। केंद्रीय चुनाव आयोग के नियम कानून और निर्देश पर राज्यों के चुनाव आयोग काम करते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग जिन्हें मतदाता नहीं मान रहा है। राज्य का चुनाव आयोग उन्हें मतदाता मानता है। नागरिकता तय करने का अधिकार केंद्रीय गृह मंत्रालय को है। केंद्रीय गृह मंत्रालय चुप है। अब नागरिकता और मतदाता के मतदान का अधिकार तय करने का काम केंद्रीय चुनाव आयोग कर रहा है। इसको लेकर जिस तरह की अपरा तफरी सारे देश में मची हुई है, उसमें अब न्यायपालिका भी चर्चाओं में आ गई है। 10 महीने से ज्यादा हो गए बिहार विधानसभा चुनाव के पहले एसआईआर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। न्यायपालिका अभी तक केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जो एसआईआर कराई जा रही है। वह संवैधानिक है या नहीं इसका फैसला अभी तक सुप्रीम कोर्ट नहीं कर पाया है। सारी याचिकाएं लंबित पड़ी हुई हैं। इसी बीच राज्यों के चुनाव भी हो रहे हैं, एसआईआई भी हो रही है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह स्थिति पहली बार संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लागू होने पर देखने को मिल रही है। देश में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही जजों को एसआईआर के काम में लगा दिया है। जिससे न्यायपालिका खुद पार्टी बनती हुई नजर आ रही है। यह स्थिति राजनीतिक प्रशासनिक और कानून व्यवस्था के लिए आगे चलकर बड़ी चुनौती बन सकती है। जिस तरह से मतदाताओं के अधिकारों पर केंची चलाई जा रही है, संवैधानिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारी जिनके उपर है वह नागरिकों के जब मौलिक अधिकार खत्म किये जा रहे हों, उस समय वह चुप बैठकर तमाश देखें, इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। न्यायपालिका जिस तरह सरकार के दबाव में तारीख पर तारीख, आधे-अधूरे निर्णय देकर अपना पल्ला झाड़ती हुई नजर आती है, इससे आम जनमानस के बीच न्यायपालिका की साख कमजोर होती जा रही है। कानून का राज तभी तक रहता है जब तक जनता कानून मानती है। कानून पर विश्वास नहीं होगा तो जनता भीड़तंत्र और अराजकता के कानून को मानने लगती है। सरकार और न्यायपालिका को अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने की जरुरत है।

बौद्धिक प्रदूषण एवं नशे के खिलाफ लड़ाई, एक समाजिक दायित्व

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी मानव सभ्यता को तकनीक, विज्ञान, स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक ले जा रही है, लेकिन इसी प्रगति के समानांतर दुनियाँ दो ऐसी अदृश्य और बढ़ती चुनौतियों से जूझ रही है, जिनका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक, गहरा और दीर्घकालिक स्तरपर भविष्य के निर्माता युवाओं पर पड़ रहा है है, वो है बौद्धिक प्रदूषण और नशा जिसके खिलाफ़ समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है।पर्यावरणीय प्रदूषण के समाधान की दिशा में वैश्विक तंत्र,कानून, विज्ञान और तकनीक सतत सुधार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हवा, पानी, प्लास्टिक, कचरा, औद्योगिक उत्सर्जन और कार्बन फुटप्रिंट को नियंत्रित करने के लिए नीतियाँ, शोध, संस्थान और संसाधन मौजूद हैं, लेकिन बौद्धिक प्रदूषण और नशे के विरुद्ध सामाजिक उत्तरदायित्व उतनी तेजी और सटीकता से नहीं बन पा रहा है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जब प्रश्न मानव चेतना, विचार, मूल्य और मानसिकता के प्रदूषण का हो,तो समाधान पारंपरिक नहीं रह जाता, बल्कि वह नैतिक, बौद्धिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक हस्तक्षेपों पर आधारित हो जाता है। यही कारण है कि बौद्धिक प्रदूषण किसी भी सभ्यता को भीतर से कमजोर करने वाला सबसे खतरनाक अदृश्य स्मॉग बन चुका है, जिसकी तुलना किसी भी भौतिक प्रदूषण से नहीं की जा सकती।इसी प्रकार नशा आज केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, जनसंख्या, परिवार, शिक्षा, अपराध, मानव संसाधन और राष्ट्रीय विकास से जुड़ेबहुआयामी संकट का रूप ले चुका है। यह सोचना कि नशाखोरी रोकना केवल पुलिस, कानून या दंड व्यवस्था की जिम्मेदारी है, एक गलत और सीमित दृष्टिकोण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नशे के बढ़ते मामलों में 70 प्रतिशत जड़ें सामाजिक व्यवहार, वातावरण,परिवार, सांस्कृतिक प्रभाव और मानसिक तनाव से जुड़ी होती हैं, जबकि कानून केवल अंतिम चरण में हस्तक्षेप करता है। इसलिए नशे के खिलाफ लड़ाई वास्तव में समाज,परिवार शिक्षा तंत्र, स्वास्थ्य संस्थान, मीडिया, धार्मिक-सांस्कृतिक समुदायों और शासन प्रणाली इन सभी का संयुक्त युद्ध है।साथियों बात अगर हम बौद्धिक प्रदूषण एक अदृश्य खतरा और वैश्विक संकट है इसको समझने की करें तो बौद्धिक प्रदूषण को सरल शब्दों में परिभाषित किया जाए तो यह वह स्थिति है जब मनुष्य की सोच, समझ, विवेक, निर्णय-क्षमता और नैतिक चेतना गलत,भ्रमित, पक्षपातपूर्ण उग्र, हिंसक, असत्य या दुष्प्रभावित विचारों से प्रभावित हो जाती है। यह प्रदूषण किसी फैक्ट्री के धुएँ या वाहन के धुएँ की तरह दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका नुकसान किसी भी वायु प्रदूषण से बड़ा हो सकता है, क्योंकि यह व्यक्ति को विचारों, धारणाओं और सूचनाओं के भ्रमजाल में फँसा कर उसकी तार्किक क्षमता और सामाजिक चेतना को नष्ट कर देता है। फेक न्यूज, नफरत आधारित प्रचार, कट्टर राष्ट्रवाद, उग्रवाद, नस्लीय विभाजन, षड्यंत्र,धार्मिक उन्माद, डिजिटल हेरफेर, गलत सूचना, दुष्प्रचार, हेट स्पीच और सोशल मीडिया एल्गोरिद्म के माध्यम से फैलने वाला भ्रम,आज दुनियाँ भर के देशों में बौद्धिक प्रदूषण के मुख्य स्रोत बन चुके हैं।तकनीक और ज्ञान की उपलब्धता जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तेजी से मानव मन की ग्रहणशीलता पर अनियंत्रित सूचनाओं का बोझ बढ़ा है। इंटरनेट ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन उसी ने अज्ञान को भी संस्थागत रूप दे दिया। अब सत्य और असत्य में फर्क करना एक आम नागरिक के लिए पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। यह बौद्धिक धुंध न केवल व्यक्ति के विवेक को प्रभावित करती है, बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और मानवीय मूल्यों को भी कमजोर करती है। इतिहास गवाह है कि सभ्यताएँ बाहरी हमलों से कम, आंतरिक भ्रम, विभाजन, गलत विचारधारा और मानसिकप्रदूषण से अधिक टूटती हैं। इसी कारण बौद्धिक प्रदूषण मानवता के लिए एक साइलेंट ग्लोबल पैंडेमिक बनकर उभरा है। साथियों बात अगर हम क्या बौद्धिक प्रदूषण का समाधान संभव है? इसको समझने की करें तो, भौतिक प्रदूषण के समाधान स्पष्ट हैं, फिल्टर, रिसाइक्लिंग प्रतिबंध, तकनीक, कानून और स्वच्छ ऊर्जा। लेकिन बौद्धिक प्रदूषण का समाधान विज्ञान नहीं, बल्कि चेतना, शिक्षा, नैतिकता, संवाद, मीडिया जिम्मेदारी और सामाजिक संरचना के सुधार में निहित है। यह प्रदूषण तब पनपता है जब समाज तर्क की जगह अंधानुकरण को अपनाता है,जब शिक्षा ज्ञान की जगह अंकों पर आधारित हो जाती है, जब मीडिया सूचना की जगह सनसनी को बेचने लगता है,और जब तकनीक सत्य की जगह भ्रम को अधिक प्रोत्साहित करती है। इसलिए समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए,समालोचनात्मक सोच पर आधारित शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तथ्य-आधारित संवाद, मीडिया पारदर्शिता, सामाजिक संवाद, युवा नेतृत्व और बहु सांस्कृतिक सम्मान की संस्कृति। बौद्धिक प्रदूषण को किसी एक संस्था, कानून या सरकार द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह एक मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक चुनौती है। यह समाधान तभी संभव है जब वैश्विक समाज सत्य को मूल्य के रूप में स्वीकार करे, संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे और शिक्षा को नौकरी नहीं बल्कि चेतना- निर्माण का माध्यम समझे। हर परिवार,हर स्कूल,हर विश्वविद्यालय और हर राष्ट्र को यह स्वीकार करना होगा कि विचारों की शुद्धता सभ्यता के अस्तित्व के लिए अनिवार्य है। यदि मन प्रदूषित है तो प्रगति विनाश बन जाती है, और यदि विचार निर्मल हैं तो मानवता हर संकट का समाधान ढूँढ सकती है। साथियों बात अगर हम नशे के खिलाफ़ लड़ाई,केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं,एक सामाजिक युद्ध है इसको समझने की करें तो, नशा किसी एक देश, समाज, धर्म, वर्ग या उम्र की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक महामारी है। ड्रग्स, शराब, तंबाकू, सिंथेटिक नशीले पदार्थ, प्रिस्क्रिप्शन ड्रग्सका दुरुपयोग, गेमिंग और डिजिटल एडिक्शन ये सभी आधुनिक नशे के विस्तृत रूप हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाँ में हर वर्ष 3 करोड़ से अधिक लोग नशे से सीधे प्रभावित होते हैं और लाखों की मौतें इससे जुड़ी

भारत को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प का बयान अव्यवहारिक

- संजय गोस्वामी

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प का बयान नर्क है भारत बेहद निंदनीय है हाँ उनके लिहाज से हो सकता है क्योंकि भारत में पश्चिमी सभ्यता का नष्ट हुआ और भारत में भगवान राम ने त्याग और मर्यादा का जो पालन किया वो सभी के लिए प्रेरणादायक है नर्क है तो आखिर स्वर्ग क्या है हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अप्सराएं इंद्रलोक (स्वर्ग) की दिव्य नृत्यांगना, गायिका और सेविका हैं, जो बेमिसाल सुंदरता और जादूई शक्तियों से संपन्न मानी जाती हैं। ये गंधर्वों के साथ मिलकर देवताओं का मनोरंजन करती हैं और ऋषियों की तपस्या भंग करने के लिए जानी जाती हैं। प्रमुख अप्सराओं में रंभा, उर्वशी, मेनका और तिलोत्तमा शामिल है अत: यहाँ अप्सराएं राजा को खुश करने के लिए नहीं नाचती है स्वर्ग में मजा है लेकिन मजा ही एक दिन स?ा का कारण बनती है यहाँ के लोग मेहनत करते है खून पसीना बहा कर दो पैसा कमाते है लेकिन गुंडागर्दी नहीं करते हैं त्याग का रास्ता जो हमारे भगवान राम ने दिखाया है वो पूर्ण विश्व के लिए एक शांति का संदेश है अगर हर मनुष्य भगवान राम का मात्र 10 मिनट भी ध्यान कर ले तो क्रोध कभी नहीं आएगा लोग काम की चिंता में डूबे रहते हैँ लेकिन क्या होगा यदि हम नहीं कर पाएं, काम में गलती होती है लेकिन राम का नाम हमें यही बताता है यहाँ हम सब एक मुसाफिर हैँ इसलिए ना किसी बात की चिंता करो ना ही हिम्मत हारो और क्रोध को नियंत्रण करना सिर्फ भगवान राम से ही सीखा जा सकता है क्योंकि जब समुद्र लंका जाने में रास्ता नहीं दे रहा था तो लकक्ष्मणजी उनके भाई समुद्र में बाण चला देते लेकिन बाद में भगवान राम ने रोका और समुद्र ने अपनी बात बताई क्योंकि भगवान राम कहते हैं हमें हमेशा दूसरे के बारे में भी सोचना चाहिए यदि गलत हुआ हो तो अवश्य ही अन्याय के खिलाफ आवाज उठाए पहले से ट्रम्प का भारत के प्रति रवैया बहुत ही शर्मनाक रहा और हाल ही में आतंकवादी के ग? का देश पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शान्ति वार्ता का शुभारम्भ कराकर ऐ दिखाने की कोशिश की गई कि भारत देश की विदेश नीति सही नहीं है लेकिन पाकिस्तान में शान्ति वार्ता को झटका भी लगा और ईरान ने आपकी शर्त मानने से इंकार कर दिया आप ईरान में इजराइल के साथ मिलकर जंग में इसलिए कूदे की तेल के ब? भंडार पर कब?ा कर ले लेकिन इजराइल का ऑब्जेक्टिव कुछ और है और वो ना तो शान्ति वार्ता में पाकिस्तान गया ना ही सीजफायर की पेशकश की आप रातोंरात 63 साल के मादुरो और उनकी पत्नी को शनिवार को वेनेजुएला में उनके परिसर से अमेरिकी सैनिकों ने पकड़ा था। यह अचानक रातों-रात चलाया गया एक अभियान था, जिसमें कुछ सैन्य ठिकानों पर हमले भी हुए। गिरफ़्तारी के बाद दोनों को न्यूयॉर्क की एक जेल में ले जाया गया तो आप खुद अपने अंदर झाँक कर देखें कबीर साहब ने सही कहा है ऱ्बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।अर्थऱ्कबीर दास जी कहते हैं कि जब मैं इस संसार में दूसरों की बुराई या कमियां खोजने निकला, तो मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने मन (दिल) के भीतर झांककर देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं स्वयं ही सबसे अधिक बुरा (दोषी) हैं संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (स्द्गद्यद्ध-ह्द्ग- द्वद्यद्गष्ह्लद्बशठ्ठ) और विनम्रता का संदेश देता है, जो बताता है कि दूसरों में बुराई खोजने से पहले हमें अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत 140 करो? लोगों का एक शांतिप्रिय देश है और लोकतान्त्रिक देश है भारत ने आपसे पूछ कर 1998 में परमाणु परीक्षण आपके ही सेटेलाइट को चकमा दे कर किया और कारगिल विजय पर अटलजी ने पाकिस्तान को क्या खुब कहा थाऱ्अमेरिका से एक नहीं दो नहीं करो बीसों समझौते पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा अगणित बलिदानो से अर्जित यह स्वतन्त्रता अश्रु स्वेद शोणित से सिंचित यह स्वतन्त्रता त्याग तेज तपबल से रक्षित यह स्वतन्त्रता दुःखी मनुजता के हित अर्पित यह स्वतन्त्रता। भारत एक स्वतंत्र देश है नर्क है या स्वर्ग इसका फैसला ईश्वर कर सकता है जो सभी को चला रहा है आपसे अपना देश तो संभल नहीं रहा है आक्रोश है लोगों में क्योंकि युद्ध की आग में झोंक कर पूर्ण विश्व में तेल और गैस पर संकट आ गया, क्या आप सोचते हैं कि भारत आपसे दूध का निर्यात करें जिसे चारा में मांस खिलाया जाता है और दूध पीकर मन के अंदर विष भर ले, स्वर्ग की लालसा के लिए नर्क से होकर ही गुजरना प?ता है अंग्रेजी हुकूमत ने भारतीय को नर्क में रखा लेकिन उनके त्याग और बलिदान से देश आजाद हुआ और स्वर्ग है हमारी मातृभूमि जिसे अनेक ऋषि और मुनि प्राचीन भारतीय संत या द्रष्टा थे, जिन्होंने गहन ध्यान (तप) और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से दिव्य ज्ञान और शाश्वत सत्यों को प्राप्त किया। ऋषियों को ऐसे द्रष्टा के रूप में वर्णित किया गया है जिन्होंने वैदिक मंत्रों को प्रकट किया, जबकि मुनि ऐसे संत हैं जो अपने मौन व्रत या आध्यात्मिक मौन में गहरी तल्लीनता के लिए जाने जाते हैं। इसलिए भारत एक महान देश है. क्योंकि इसकी सभ्यता और संस्कृति पश्चिम देशों जैसी अश्लील नहीं है।

उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर पर लगातार बढ़ता सियासी उबाल

- सौरभ वार्ष्णेय

उत्तर प्रदेश में आगामी वर्ष में विधानसभा चुनाव का विगुल बज जायेगा । ऐसे में विपक्ष के लोग वर्तमान सरकार की हर छोटी से छोटी समस्या को भी मुद्दा बनाने से नहीं चूक रही। अभी हाल ही में नोयडा हुए मजदूर आंदोलन से सरकार उबर पाई थी कि अब दूसरा मुद्दा स्मार्ट मीटर योजना को लेकर आ गया। हालांकि प्रदेश सरकार की मंशा पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जो अब आम जनता—खासकर महिलाओं—के गुस्से का कारण बनती जा रही है। हाल के दिनों में कई जिलों से महिलाओं के सड़कों पर उतरकर विरोध करने की खबरें सामने आई हैं, जो इस नीति के जमीनी असर को उजागर करती हैं। वहीं फिलहाल सरकार ने इस स्मार्ट मीटर पर रोक लगा दी है। प्रदेश में अभी जैसे तैसे कर गैस सिलेंडर की समस्या स उपजे मजदूर आंदोलन से निजात पाई थी कि और ऊपर से अब उत्तर प्रदेश में बढ़ते बिल और भरोसे का संकट के दौर से गुजर रहीं महिलाओं की स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी शिकायत बिजली बिल में अचानक वृद्धि देखी जिसके चलते आगरा और मथुरा जैसे इलाकों में महिलाओं ने आरोप लगाया कि पहले की तुलना में बिल कई गुना बढ़ गए हैं, जबकि खपत में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। इसके साथ ही प्रीपेड सिस्टम ने समस्या को और बढ़ा दिया है—रिचार्ज खत्म होते ही बिजली कट जाती है। कई मामलों में बिल जमा करने के बाद भी आपूर्ति बहाल होने में देरी की शिकायतें सामने आई हैं। इस समस्या से जूझ रही गांवों और कस्बों में महिलाओं ने सीधे बिजली घरों का घेराव किया, प्रदर्शन किए और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। आगरा में तो हालात ऐसे बने कि अधिकारियों को कार्यालय छोड़कर जाना पड़ा। यह विरोध सिर्फ आर्थिक बोझ का नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी पर पडने़ वाले असर का भी है—रसोई, बच्चों की पढ़ाई और घर के काम सीधे बिजली पर निर्भर हैं, इसलिए महिलाएं इस मुद्दे को लेकर सबसे ज्यादा सक्रिय दिख रही हैं। स्मार्ट मीटर से जुड़ी तकनीकी समस्याएं भी विवाद का बड़ा कारण हैं। कहीं सोलर उपभोक्ताओं को गलत बिल मिल रहे हैं, तो कहीं कनेक्टिविटी और रीडिंग में गड़बड़ी की शिकायतें हैं।इसके अलावा, बिना सहमति पुराने मीटर हटाने और नए मीटर लगाने के आरोपों ने जनता के भरोसे को और कमजोर किया है। लगातार विरोध और शिकायतों के बाद सरकार को कदम पीछे खींचने पड़े। स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी गई। जांच के लिए तकनीकी समिति बनाई गई उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अस्थायी नियम लागू किए गए। यह कदम इस बात का संकेत है कि नीति और उसके क्रियान्वयन के बीच गंभीर खाई है।

स्मार्ट मीटर का उद्देश्य पारदर्शिता और ऊर्जा प्रबंधन को बेहतर बनाना था, लेकिन जमीनी स्तर पर यह तकनीकी सुधार सामाजिक असंतोष में बदल गया है। महिलाओं का उग्र विरोध यह बताता है कि जब किसी नीति का असर सीधे घर-परिवार की बुनियादी जरूरतों पर पड़ता है, तो वह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा बन जाता है। स्मार्ट मीटर योजना अपने उद्देश्य में गलत नहीं, लेकिन इसकी जल्दबाजी, तकनीकी खामियां और संवाद की कमी ने इसे विवाद का केंद्र बना दिया है। यदि सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता हितों को प्राथमिकता नहीं देती, तो यह स्मार्ट पहल जन असंतोष का स्थायी कारण बन सकती है।

उत्तर प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटरों की स्थापना पर सरकार द्वारा लगाई गई रोक ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी सुधारों को बढ़ावा देने की जरूरत बार-बार रेखांकित की जा रही है। सवाल यह है कि क्या यह कदम उपभोक्ताओं के हित में है या फिर सुधारों की गति को धीमा करने वाला? स्मार्ट मीटर को बिजली वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए एक अहम साधन माना जाता है। ये मीटर वास्तविक समय में खपत का डेटा देते हैं, बिलिंग में त्रुटियों को कम करते हैं और चोरी पर लगाम लगाने में मददगार होते हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं में भी इनका विशेष स्थान है। ऐसे में उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का इस परियोजना पर ब्रेक लगाना स्वाभाविक रूप से ध्यान आकर्षित करता है। हालांकि, इस फैसले के पीछे उपभोक्ताओं की बढ़ती शिकायतें और असंतोष भी एक बड़ा कारण हैं। कई जगहों से यह आरोप सामने आए कि स्मार्ट मीटर के कारण बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं में यह धारणा बनी कि यह तकनीक उनके खिलाफ काम कर रही है। विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक दबाव ने भी सरकार को पुनर्विचार के लिए मजबूर किया।यहां सरकार का कदम अल्पकालिक राहत देने वाला तो दिखता है, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से कुछ सवाल खड़े करता है। क्या समस्या तकनीक में है या उसके क्रियान्वयन में? क्या उपभोक्ताओं को पर्याप्त जानकारी और विश्वास में लिए बिना इस तरह के बदलाव थोपे गए? यदि हां, तो समाधान रोक नहीं, बल्कि सुधार और संवाद होना चाहिए। ऊर्जा क्षेत्र में सुधारों को स्थगित करना किसी भी राज्य के लिए आदर्श स्थिति नहीं हो सकती। स्मार्ट मीटर जैसी तकनीकें भविष्य की जरूरत हैं, लेकिन उनका सफल क्रियान्वयन पारदर्शिता, उपभोक्ता जागरूकता और जवाबदेही पर निर्भर करता है। उत्तर प्रदेश सरकार के इस निर्णय को एक चेतावनी संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए—तकनीकी बदलावों को लागू करते समय जनविश्वास सबसे महत्वपूर्ण है। अगर सरकार इस अवसर का उपयोग खामियों को दूर करने और बेहतर प्रणाली विकसित करने में करती है, तो यह रोक एक सकारात्मक मोड़ भी साबित हो सकती है। वहीं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने यूपी बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। यूपी में स्मार्ट मीटर पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि उपभोक्ता संतुष्टि सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

थाना शहर क्षेत्र में लावारिस हालत में मिले 2 नाबालिग बच्चे पुलिस ने महज 2 घंटे में परिजनों से मिलवायात

कैथल, 26 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार): हरियाणा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन स्माइल' अभियान के तहत एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के कुशल नेतृत्व में एक सराहनीय कार्य करते हुए थाना शहर पुलिस ने

लावारिस हालत में मिले दो नाबालिग बच्चों को महज करीब 2 घंटे के भीतर उनके परिजनों से मिलवा दिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की थाना शहर प्रभारी इंस्पेक्टर गीता की अगुवाई में एएसआई सुभाष की टीम शनिवार दोपहर के समय चीका बाईपास, कैथल क्षेत्र में गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस टीम को 8 वर्षीय व 5 वर्षीय दो नाबालिग बच्चे लावारिस अवस्था में रोते हुए मिले। पुलिस टीम द्वारा बच्चों को शांत कर उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि वे कैथल में अपनी मौसी के घर आए हुए थे, लेकिन रास्ता भटक जाने के कारण यहां पहुंच गए। बच्चों ने अपना पता नरवाना, जिला जींद बताया। मामले की गंभीरता को समझते हुए एएसआई सुभाष की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते आसपास के क्षेत्र में पूछताछ शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस टीम ने बच्चों के परिजनों का पता लगा लिया और दोनों बच्चों को सकुशल उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया। बच्चों को सुरक्षित पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली तथा पुलिस की तत्परता व मानवीय संवेदनशीलता के लिए आभार व्यक्त किया। प्रवक्ता ने बताया कि 'ऑपरेशन स्माइल' के तहत जिला पुलिस लगातार ऐसे प्रयास कर रही है, जिससे बिछड़े हुए बच्चों को उनके परिवारों से मिलवाया जा सके। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि यदि कहीं कोई बच्चा संदिग्ध या लावारिस स्थिति में मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

नशे मुक्त हो जिला अभियान को कैथल पुलिस दे रही नई गति

गांव-गांव पहुंचकर युवाओं व आमजन को किया जा रहा जागरूक

कैथल, 26 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार): नशे मुक्त हो जिला मुहिम के तहत समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से कैथल पुलिस द्वारा

पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशानुसार जिले भर में नशा जागरूकता अभियान निरंतर प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेषकर युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना है, ताकि समाज को नशामुक्त बनाया जा सके। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की नशा जागरूकता टीम, में शामिल एसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई मनोज, एचसी दिनेश, सिपाही नसीब, महिला सिपाही नीलम, महिला एसपीओ गीता व एसपीओ चांदी राम की टीम द्वारा चीका, पोलड़, कल्लर माजरा, पीडल व गुहला में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों, युवाओं, विद्यार्थियों तथा महिलाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम द्वारा उपस्थित लोगों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार, समाज और आने वाले भविष्य पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। युवाओं को विशेष रूप से जागरूक करते हुए उन्हें खेल, शिक्षा एवं रोजगार जैसे सकारात्मक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे नशे जैसी बुराइयों से दूर रह सकें। इसके साथ ही आमजन को यह भी अवगत कराया गया कि यदि उनके आसपास कहीं भी नशे का अवैध कारोबार हो रहा है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस टीम ने आश्वस्त किया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी और सूचना के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने भी पुलिस के इस अभियान की सराहना करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कैथल पुलिस का नशे के खिलाफ यह जागरूकता अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा, ताकि जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी और ठोस कदम उठाए जा सकें।

चार मैराथन दौड़ पूरी कर डॉ. दिवांशु कालड़ा एवं सुरिंदर चौहान, कविता संधू, वरुण सरीन,सुशील कुमार ने हासिल किया प्रोकैम स्लैम फिनिशर का खिताब

करनाल के आठ धावकों ने बेंगलुरु में हुई टी.सी.एस वर्ल्ड मैराथन में लिया हिस्सा

करनाल, 26 अप्रैल (संदीप रोहिला): करनाल के जाने-माने डॉ. दिवांशु कालड़ा एवं कविता संधू, सुरिंदर चौहान, वरुण सरीन, सुशील कुमार ने देश में अलग-अलग हिस्सों में हुई चार मैराथन दौड़ पूरी कर प्रोकैम स्लैम फिनिशर का खिताब हासिल किया है। इस खिताब के लिए एक साल

में अलग-अलग स्थानों पर होने वाली चार मैराथन दौड़ को पूरा करना होता है। वहीं पर करनाल के 8 धावकों ने बेंगलुरु में हुई टी.सी.एस वर्ल्ड मैराथन में हिस्सा लिया। जानकारी के अनुसार करनाल के पांच धावकों ने इसी साल में मुम्बई में हुई 42 किलोमीटर, कोलकाता में 25 और दिल्ली में 21 और आज बेंगलुरु में हुई 10 किलोमीटर की दौड़ को पूरा कर लिया। इसके लिए उन्हें प्रोकैम स्लैम फिनिशर का खिताब के साथ-साथ मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बेंगलुरु में हुई 10 किलोमीटर की मैराथन में पांच धावकों के अलावा सुमित मान, राहुल कौशिक सचिंदर अंकित सरीन ने भाग लिया। यहां उल्लेखनीय है कि करनाल मैराथन रनर की टीम देश भर में होने वाले अलग-अलग मैराथन दौड़ में हिस्सा लेती रहती है। उसके माध्यम से वह फिटनेस का संदेश देते है। इससे पहले यह खिताब डॉ. बलबीर सिंह विर्क, प्रवेश गाबा सुमित मान ले चुके हैं।

बच्चे इंडोर गेम्स छोडक़र आउटडोर गेम्स में ले हिस्सा : डॉ. कालड़ा ने बताया कि खेलों से व्यक्ति स्वस्थ रहने के साथ-साथ व्यक्ति फिट भी रहता है। जब से उन्होंने मैराथन दौड़ में भाग लेना शुरू किया है, तब से वह अपने आपको बेहतर और फिट महसूस करते है। वह प्रतिदिन 10 किलोमीटर की दौड़ लगाते है। इसके अलावा वह जिम भी करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बच्चे इंडोर गेम्स की ओर बढ़ रहे है वह खतरनाक भी है, बच्चों को दौड़ में भाग लेना चाहिए। वहीं पर जो बच्चे टीवी और मोबाइल से चिपके रहते है। उन्हें भी अपने आपको फिट और हेल्दी रहने के लिए आउटडोर गेम्स में हिस्सा लेना चाहिए।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में द लर्निंग साइकोलॉजी विषय पर कार्यशाला आयोजित

करनाल, 26 अप्रैल (रविन्द्र मलिक): डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, पुलिस लाइंस, करनाल में विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं प्रभावी अध्ययन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से द लर्निंग साइकोलॉजी विषय पर एक ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता एवं संसाधन व्यक्ति आचार्य पवन रहे, जिन्होंने कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को स्मार्ट लर्निंग तकनीकों, समय प्रबंधन, एकाग्रता बढ़ाने के उपायों तथा सकारात्मक अध्ययन आदतों के निर्माण के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विद्यार्थियों ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्वपूर्ण बिंदुओं को नोट कर अपने ज्ञान को समृद्ध किया। आचार्य पवन एक प्रख्यात लर्निंग कोच, गाइडेड मेडिटेशन एक्सपर्ट एवं प्रेरणादायक वक्ता हैं, जो पूरे भारत में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए अपने प्रभावशाली एवं व्यावहारिक कार्यशालाओं के लिए जाने

जाते हैं। अपने मिशन के तहत वे शिक्षार्थियों की आंतरिक क्षमता को जागृत करने का कार्य कर रहे हैं। शिक्षा के साथ-साथ आचार्य पवन समाज के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वे पंजाब पुलिस, मध्य प्रदेश पुलिस एवं हरियाणा पुलिस के लिए स्ट्रेस एवं एंगर मैनेजमेंट कोच के रूप में भी अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक शहर ग्वालियर से संबंध रखने वाले आचार्य पवन अपनी सरल शैली, व्यावहारिक ज्ञान और प्रभावशाली वक्तृत्व के माध्यम से हजारों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल कड़ी मेहनत ही नहीं, बल्कि स्मार्ट तरीके से अध्ययन करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमित अभ्यास और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं।विद्यालय प्रशासन ने इस सफल आयोजन के लिए संसाधन व्यक्ति का आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

बसतली के खेतों में लगी भीषण आग, ग्रामीणों ने एकजुट होकर टाली बड़ी तबाही

भीषण आग से खेतों में मचा हड़कंप, कई भूस के कूप व फाने जलकर राख

निसिंग,26 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह): गांव बसतली के खेतों में नहर के नजदीक शनिवार दोपहर को अचानक भड़की आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया। तेज हवा के चलते लपटें तेजी से फैलने लगीं और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। आग धीरे-धीरे सड़क

किनारे बने पेट्रोल पंप और आबादी की ओर बढ़ने लगी, जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण तुरंत अपने घरों से बाहर निकल आए और बिना समय गंवाए आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर दी। किसी ने जरनेटर पर ट्यूबवेल चलाएं और किसी ने पानी के टैंकर लगाए तो किसी ने पाइप और बाल्टियों के जरिए लगातार पानी की बौछार कर आग की दिशा मोड़ने का प्रयास किया। ग्रामीणों की सूझबूझ और एकजुटता के चलते आग को पेट्रोल पंप तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया। अगर आग वहां तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। साथ ही, नजदीकी कॉलोनियों में भी आग घुसने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन समय रहते किए गए प्रयासों से स्थिति नियंत्रण में आ गई। हालांकि आग से खेतों में खड़ी फसल और अवशेष जलकर राख हो गए, जिससे किसानों को नुकसान हुआ है। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड भी मौके पर लेट पहुंची और फिर आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। तेज हवा के कारण लपटें तेजी से फैलती चली गईं। कुछ ही देर में आग ने आसपास के कई खेतों को अपनी चपेट में ले लिया।आग से उठता काला धुआं कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि किसानों को भूसे के कूप व फाने बचाने का मौका तक नहीं मिला। जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और अपने स्तर पर आग बुझाने में जुट गए। ट्रैक्टरों से हैरो के साथ बुवाई कर और पानी के टैंकरों व बाल्टियों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। बाद में दमकल विभाग को भी सूचना दी गई, जिसके बाद कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।आग की लपटों से खेतों में लगे पेड़-पौधे भी झुलस गए। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

स्वर्गीय राजिंदर कुमार सैनी की पुण्य स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

लाडवा, 26 अप्रैल (रामगोपाल): भारत विकास परिषद लाडवा की ओर से स्थानीय बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम में समाजसेवी स्वर्गीय राजिंदर कुमार सैनी की पुण्य स्मृति में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रकल्प प्रमुख नवनीत सिंहल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ स्वर्गीय राजिंदर कुमार सैनी की धर्मपत्नी सुदेश सैनी द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। सुबह से ही रक्तदाताओं में रक्तदान के लिए काफी उत्साह देखने को मिला। लगभग 85 रक्तदाताओं ने रक्तदान करने के लिए अपना पंजीकरण कराया जिसमें से 72 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इंडस अस्पताल डेराबस्सी से आए हुए अनुभवी टीम ने रक्तदान शिविर को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। इंडस हॉस्पिटल के ब्लड बैंक इंचार्ज अनुज सेतिया ने कहा कि कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर 3 महीने बाद रक्तदान कर सकता है इससे किसी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती। परिषद अध्यक्ष राजीव आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय राजिंदर कुमार सैनी एक प्रसिद्ध समाजसेवी थे। उन्होंने समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए अनेक कार्य किए। उनका जीवन हम सबके लिए एक प्रेरणा का काम का रहा है। इस अवसर पर हेमंत सैनी, कविता सैनी, शैलजा सैनी, पुष्पेंद्र सैनी, विजयलक्ष्मी, मनोज, राहुल, पूजा सैनी एवं परिषद के सभी सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित थे।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर,मौके पर ही दर्दनाक मौत

कलायत,26 अप्रैल (सूबे सिंह मोर): गौशाला मार्केट के पास शनिवार देर रात एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार

दी। इस भीषण हादसे में बाइक सवार 48 वर्षीय व्यवसायी अनिल गोयल उर्फ राठी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके साथी अमित कुमार गर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, अनिल गोयल पुलिस स्टेशन के पास श्री श्याम कैटल फीड के नाम से दुकान चलाते थे। वह रात करीब 9 बजे अपनी दुकान मंगल कर दोस्त के साथ घर लौट रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। थाना प्रभारी सुभाष चंद्र ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है और आरोपी चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। अनिल गोयल अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वह क्षेत्र के सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भी काफी सक्रिय थे, जिसके चलते उनके निधन से पूरे कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई और बाजार पूरी तरह स्तब्ध रहा। इधर, रविवार को पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट परिजनों और स्थानीय लोगों ने कलायत पुलिस स्टेशन के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन आरोपी चालक को बचाने का प्रयास कर रहा है और दर्ज की गई धाराओं में ढील दी गई है। करीब 5 घंटे तक चले इस धरने के दौरान पुलिस के खिलाफ जोरदार नारेबाजी हुई। स्थिति को बिगड़ता देख डीएसपी रोहतास कुमार मौके पर पहुँचे और परिजनों को निष्पक्ष जांच व कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। डीएसपी के भरोसे के बाद शाम करीब 5 बजे परिजनों ने धरना समाप्त किया और शव का अंतिम संस्कार करने पर राजी हुए।

सोनीपत मण्डियों व खरीद केन्द्रों पर शनिवार सायं तक हुई 04 लाख 21 हजार 847.57 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

सोनीपत, 26 अप्रैल (ब्यूरो): जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केन्द्रों में गेहूं की आवक व खरीद कार्य जारी है। शनिवार सायं तक जिले की 21 मंडियों व खरीद केंद्रों में कुल 04 लाख 21 हजार 847.57 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की गई, जिसे विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदा गया। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि 04 लाख 21 हजार 847.57 मीट्रिक टन गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 76 हजार 593.9 मीट्रिक टन, हैफेड ने 01 लाख 67 हजार 540 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन(एचडब्ल्यूसी) ने 01 लाख 74 हजार 863.67 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 02 हजार 850 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। उन्होंने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि गांव बरोदा स्थित खरीद केन्द्र पर 04 हजार 60 मीट्रिक टन, गांव भैंसवाल स्थित खरीद केन्द्र पर 05 हजार 855 मीट्रिक टन, गांव बिचपड़ी स्थित खरीद केन्द्र पर 695 मीट्रिक टन, गांव दातौली स्थित खरीद केन्द्र पर 06 हजार 31.2 मीट्रिक टन, फरमाणा स्थित खरीद केन्द्र पर 16 हजार 82.4 मीट्रिक टन, गन्नौर अनाज मण्डी में 23 हजार 718.1 मीट्रिक टन, गोहाना अनाज मण्डी में 01 लाख 43 हजार 458 मीट्रिक टन, गांव कांसड़ी स्थित खरीद केन्द्र पर 09 हजार 995 मीट्रिक टन, गांव कथूरा स्थित खरीद केन्द्र पर 07 हजार 523.3 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इसी तरह से गांव खानपुर स्थित खरीद केन्द्र पर 09 हजार 244.72 मीट्रिक टन, खरखौदा अनाज मण्डी में 57 हजार 562.1 मीट्रिक टन, गांव मुडलाना स्थित खरीद केन्द्र पर 08 हजार 575 मीट्रिक टन, गांव मुरथल स्थित खरीद केन्द्र पर 10 हजार 116.6 मीट्रिक टन, गांव नाहरा स्थित खरीद केन्द्र पर 10 हजार 85 मीट्रिक टन, गांव पुगथला स्थित खरीद केन्द्र पर 19 हजार 506.3 मीट्रिक टन, गांव पुरखास स्थित खरीद केन्द्र पर 11 हजार 106 मीट्रिक टन, गांव रूखी स्थित खरीद केन्द्र पर 11 हजार 705.75 मीट्रिक टन, गांव सनपेड़ा स्थित खरीद केन्द्र पर 11 हजार 599 मीट्रिक टन, सोनीपत अनाज मण्डी में 51 हजार 977.1 मीट्रिक टन तथ सोनीपत सीलो खरीद केंद्र पर 02 हजार 850 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अब तक जिले की मंडियों में 26 हजार 525 किसान अपनी फसल लेकर पहुंचे हैं, जिनसे 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीद की गई है।

अनुभवी स्वास्थ्य मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट नरवाना की मासिक बैठक सफल, संगठन मजबूती पर जोर

नरवाना, 26 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार): अनुभवी स्वास्थ्य मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट हरियाणा की मासिक बैठक गत संध्या मितासो होटल नरवाना में

सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम में जिला जींद प्रधान डॉ. सुरेश मलिक, ब्लॉक प्रधान डॉ. मेजर सिंह, डॉ. दिलबाग मोर, डॉ. महावीर शर्मा तथा डॉ. मनजीत दनौदा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अनुभवी साथियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी प्रैक्टिस को साफ-सुथरे और पारदर्शी तरीके से संचालित करें, नशे से दूर रहें तथा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करें।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अल्पसंख्यक समाज के जिला प्रधान सरदार गुरलाल सिंह रसीदां ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में अनुभवी स्वास्थ्य साथियों द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया।इस अवसर पर दनौदा ब्लॉक प्रधान डॉ. संदीप खरकिया और डॉ. सतीश डोहाना खेड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

बच्चों के नैसर्गिक विकास पर सोशल मीडिया का ग्रहण

– मनोज कुमार अग्रवाल

बच्चों पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर राज्यसभा में गंभीर चिंता व्यक्त की गई है । सांसद मिलिंद देवड़ा ने अपने वक्तव्य में बताया कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार, 2022 में भारत में लगभग 13,000 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की, जो 2013 की तुलना में लगभग दोगुनी संख्या है। यही नहीं आज भारत में कुल आत्महत्याओं में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी विद्यार्थियों की है। याद रहे 4 फरवरी को गाजियाबाद में 12, 14 और 16 वर्ष की तीन बहनों ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि यह घटना ऑनलाइन खेलों की लत से जुड़ी थी।

आपको पता है कि इंटरनैट के जमाने में हर चीज मोबाइल फोन पर उपलब्ध होने के कारण सोशल मीडिया का महत्व बहुत बढ़ गया है और लोग बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे जहां उपयोगी जानकारी मिलती है वहीं इस पर उपलब्ध अनुचित और अश्लील सामग्री बच्चों के लिए हानिकारक भी सिद्ध हो रही है स्कूल हो या घर, हर जगह बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल करते रहते हैं। सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों की मानसिक स्थिति पर बुरा असर डाल रहा है और बच्चों में नींद की कमी भी देखी गई है। यह बच्चों में डिप्रैशन, चिंता और तनाव उत्पन्न करने का कारण भी बन रहा है।

भारत में सोशल मीडिया प्लेटफार्म के उपयोगकर्ताओं में लगभग एक–तिहाई किशोर हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2010 के बाद किशोरों में अवसाद और आत्महत्या के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई, ठीक उसी समय जब एक कंपनी फेसबुक ने युवाओं को आक्रामक रूप से अपने मंच की ओर आकर्षित करना शुरू किया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अधिक समय बिताने के कारण बच्चों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है तथा माता–पिता के साथ उनकी दूरी एवं स्वभाव में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ने के साथ–साथ एकाग्रता में कमी आ रही है। सोशल मीडिया की लत से बच्चों को बचाने की खातिर आस्ट्रेलिया, इंगलैंड, मलेशिया, स्पेन, नार्वे, जर्मनी, इटली व चीन तथा चंद अन्य देशों ने भी बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। इसी सिलसिले में फ्रांस सरकार ने भी 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की कवायद शुरू कर दी है। देश की नैशनल असैम्बली ने इससे संबंधित बिल को स्वीकृति दे दी है। इसे देश में 1 सितम्बर, 2026 से शुरू होने वाले आगामी शिक्षा सत्र से लागू कर दिया जाएगा।

आंकड़े बताते हैं कि भारत के लगभग 27 प्रतिशत किशोरों में सोशल मीडिया प्लेटफार्म की लत के लक्षण दिखते हैं। इसके साथ–साथ पढ़ाई में गिरावट, चिंता और आत्मविश्वास की कमी भी देखी जा रही है। उन्होंने सदन में कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार महानगरों में लगभग 33 प्रतिशत बच्चे साइबर उत्पीड़न का सामना करते हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, किशोरों से जुड़े हिंसक अपराधों की हिस्सेदारी 2016 में 32 प्रतिशत थी, जो 2022 तक बढ़कर लगभग 50 फीसदी के करीब पहुंच गई। आपको बता दें कि फ्रांस ने 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और विद्यालयों में मोबाइल फोन पर भी रोक लगाई है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन लगाने के कड़े फैसला लिया गया ऑस्ट्रेलिया ने इसे 16 वर्ष से कम आयु तक सीमित किया है। हाल ही में इंडोनेशिया ने भी किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई है और ऐसा करने वाला वह एशिया का पहला देश बन गया है। स्पेन और जर्मनी भी इसी दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि हमारे बच्चों के दिमाग बिकाऊ नहीं हैं। बच्चों की मानसिक और भावनात्मक सेहत को उन कम्पनियों के भरोसे पर नहीं छोड़ा जा सकता जिनका उद्देश्य सिर्फ लाभ कमाना है।

वहीं स्वीडन के कोरोलिंस्का इंस्टीट्यूट ने ऑरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी के साथ एक अध्ययन किया गया कि बच्चे कितने समय तक अलग–अलग डिजिटल एक्टिविटी करते हैं. स्टडी में भाग लेने वाले बच्चों ने एवरेज 2.3 घंटे टीवी या ऑनलाइन वीडियो देखे, 1.4 घंटे तक सोशल मीडिया यूज किया और 1.5 घंटे तक वीडियो गेम्स खेलें. इन से एकाग्रता बुरी तरह से प्रभावित है।

भारत में पहले से ही डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण ढांचा मौजूद है, जिसमें 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अभिभावकों की सत्यापित सहमति जैसे प्रावधान हैं। लेकिन हमें इससे आगे बढ़कर सोशल मीडिया कंपनियों को और अधिक जवाबदेह बनाना होगा। बता दें कि पिछले कुछ समय से भारत में नाबालिगों द्वारा सोशल मीडिया पर अश्लील और हिंसा को बढ़ावा देने वाली सामग्री देख कर बलात्कार जैसी वारदातें करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं 23 अक्तूबर, 2025 को जोधपुर (राजस्थान) में 3 वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक किशोर को गिरफ्तार किया। आरोपी के मोबाइल की जांच करने से पता चला कि उसने वारदात करने से पहले 15–20 अश्लील वीडियो देखे थे।

6 फरवरी, 2026 को बदायूं (उत्तर प्रदेश) के दातागंज में 8 और 14 साल की उम्र के 2 लड़कों को मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो देखने के बाद एक 6 साल की बच्ची से सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया।13 फरवरी, 2026 को रीवा (मध्य प्रदेश) में कुरकुरे दिलवाने के बहाने अपनी 6 वर्षीय बहन से बलात्कार करने के आरोप में एक 14 वर्षीय नाबालिग को पुलिस ने हिरासत में लिया।7 मार्च, 2026 को हाथरस (उत्तर प्रदेश) में जंगल में चारा लेने गई चौथी क्लास की छात्रा को मोबाइल फोन पर अश्लील सामग्री देखने के आदी 2 लड़के बेर देने अपने साथ ले गए और उससे बलात्कार कर डाला।

किशोर होते बच्चों को सही एवं गलत की पहचान सिखाएं

किशोर होते बच्चों का ध्यान रखते समय आपको विशेष सावधानियां बरतनी चाहिये। इसका कारण है कि अब आपका बच्चा बड़ा हो रहा है और अपने तरीके से रहना चाह रहा है। ऐसे में उसे सही और गलत की पहचाना कराने की जिम्मेदारी आपके पास है पर कई बार देखा गया है कि बचपन में समझदार और सुलझा हुआ हमारा बच्चा किशोर उम्र का होते–होते इतना अजीबो–गरीब व्यवहार करने लगता है।

आप कई बार सबकुछ संभालने की कोशिश करते हैं पर हालात आपके मुताबिक सुधर नहीं पाते। किशोर होते की उम्र में आपका बच्चा खुद को आजाद समझने लगता है। इस उम्र में बच्चे अपने खुद के निर्णय लेना चाहते हैं।आपको अगर अपने बच्चे के साथ बेहतर रिश्ता बनाना है तो आपको अपने बच्चे को ठीक से समझना होगा। उनकी भावनाओं को आपको ध्यान में रखना होगा। आपका बच्चा इस उम्र में खुद पर निर्भर होना चाहता है। ऐसे में आपको भी अपने बच्चे को थोड़ा समय देना चाहिए।

बच्चों में अचानक आए बदलाव पर ऐसे नजर रखें –इस उम्र में अक्सर ऐसा होता है कि बच्चे आपकी कोई भी सलाह नहीं लेना चाहते। ये बुरा जरूर लगता है पर इस वक्त आपको बड़ी समझदारी दिखानी होगी। अपने बच्चे को वक्त दें जब तक वो सही रास्ते पर है। अगर आपको लगे कि आपका बच्चा किसी गलत दिशा में जा रहा है तो तुरंत उसे सामने बिठाकर बात करिए।इस उम्र में बच्चे अपने खाने–पीने, कपड़े, दोस्तों से लेकर सोने का समय तक स्वयं तय करना चाहते है। ऐसे समय में अपने बच्चे को कुछ बातों के निर्णय खुद लेने दे। कुछ बातों पर उन्हें प्यार से समझाएं कि फैसले लेने में आपका साथ कितना जरूरी है।

आपका बच्चा गलत आदतों का शिकार भी हो सकता है। उसे शराब, सिगरेट जैसी गलत आदत की लत भी लग सकती है। तो ऐसे में जरूरी है कि आप उन्हें आजादी तो दे पर मर्यादा के अंदर। बाहर घूमने, देर रात घर आने जैसी बातों पर एक कड़ा नियम जरूर बनाएं। उसे अपनी जिंदगी में आजादी तो दे पर अपनी पूरी देख–रेख में। इस उम्र में अक्सर आपका और आपके बच्चे का विचार एक जैसा नहीं होता। तो ऐसे में जरूरी है कि आप उन्हें किसी बात के लिए गलत तरीके से जबरदस्ती न करें।ध्यान से उनकी बात सुनें और उन्हें दोनों पहलुओं पर सोचने को कहें। उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप क्यों सही है और वो क्यों गलत। यह बात ध्यान रखें कि वे अब छोटे बच्चे नहीं है जिन पर आप अपनी मर्जी थोप सकें। उन्हें केवल तार्किक और भावनात्मक लगाव के साथ ही आप अपनी बातें समझा सकते हैं।

मां–बाप बच्चे के सबसे पहले टीचर होते हैं. अगर आपका बच्चा गलत भी है तो भी आप उसे गुस्से में आकर नजरअंदाज न करें।

उन पर अपनी नजर हमेशा बनाएं रखे। ऐसा करने से आप अपने बच्चे पर नजर भी बनाए रखेंगे और आपका रिश्ता भी खराब नहीं होगा।

बच्चों को सुंदर लेखन के लिए प्रेरित करें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता–पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता–पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना–लिखना साथ–साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता–पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत- बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने–पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता–पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता–पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे। शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग–अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता–पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए। आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने–पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता–पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता–पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत- वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

जंक एवं रेडी टू ईट भोजन से बच्चों की बिगड़ रही सेहत

आजकल बच्चे जंक फूड और रेडी टू ईट खाने को ज्यादा वरीयता देते हैं। इससे उन्हें पर्याप्त पोषण् नहीं मिलता ओर कई बिमारियों का भी खतरा बना रहता है, यहां तक कि ये जानलेवा भी हो जाती है। बच्चे अपने खाने में स्वाद को ज्यादा महत्व देते हैं। इसीलिए उसमें सेहत का संतुलन बना रहे, इसका जिम्मा आपका है। बच्चों की खानपान की आदतों को सेहतमंद बनाने के लिए कुछ प्रयास अभिभावकों को करने होंगे। इसमें कोई शक नहीं कि हर मां के लिए अपने बच्चे को खाना खिलाना एक दिमागी कसरत की तरह होता है। किसी बच्चे को उसके खाने में आने वाले सब्जियों के लच्छे पसंद नहीं होते, तो किसी बच्चे को मसाले पसंद नहीं आते। कोई सिर्फ चावल ही पसंद करता है। अपने बढ़ते बच्चे की थाली में आहार का जो संतुलन आप देखना चाहती हैं, वह अगर उन पर छोड़ जाए, तो कतई साकार नहीं हो सकता। ऐसे में खाना–खिलाना प्यार कम, डांट–डपट ज्यादा हो जाता है लेकिन डांट या चिंता से कुछ नहीं होने वाला। इसके लिए कुछ अलग तरह से कोशिश करनी होगी। बच्चों में खाने को लेकर स्वस्थ नजरिया बनाने के लिए उन्हें कहानियों या कविताओं के माध्यम से पौष्टिक खाने के महत्व के बारे में बताएं। उसे एक बार में सब कुछ खिलाना मुश्किल होगा, इसलिए कुछ अंतराल पर खिलाएं। इसमें एक क्रम जरूर बनाएं। जैसे कि दिन भर में तीन बार भोजन, तो तीन बार स्नैक्स आदि जैसा छोटा–मोटा आहार। इससे एक अनुशासन भी बना रहेगा और उसकी पोषण संबंधी आवश्यकता भी पूरी होती रहेगी। अच्छा यही होगा कि जब माता–पिता खाना खाएं, तो बच्चे को साथ खिलाएं। रोटी से ज्यादा उनमें सब्जियों के प्रति रुचि बनाएं। इसके लिए आपको चुकंदर–पालक या गोभी परांठे जैसे प्रयोग भी करने पड़ें, तो करिए। क्योंकि बच्चे को खाना खिलाने का उद्देश्य उसे मोटा करने से ज्यादा स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखना होना चाहिए। हां, उनमें खाने के साथ पानी पीने की आदत बिल्कुल न पनपने दें।

कुछ आपके लिए

खाना खिलाएं प्यार से- बच्चों से हर वक्त प्यार से बात करना कठिन काम है लेकिन जब वे खाना खा रहे हों, कम से कम तब तो अपने गुस्से पर काबू रखा ही जा सकता है। जब वे खाना खा रहे हों, तो उन्हें कोई झिड़की या डांट न मिले। वरना खाने का असर नकारात्मक ही होगा। प्यार या शाबाशी का विकल्प खाना नहीं- बहुत से अभिभावक अपने मन का काम करवाने के लिए बच्चों को उनकी मनपसंद खाने की चीजों की प्रेरणा देते हैं लेकिन यह प्रेरणा उसे लालची न बना दे। वैसे भी आपके प्यार का विकल्प खाने की चीजें नहीं हो सकतीं। बच्चे को प्यार से गोद में लेना जितने लंबे समय तक उसके लिए उत्साह और प्रेरणा का काम करेगा, आपकी बनाई स्वादिष्ट डिश नहीं कर सकती। आपका प्यार पाकर वह मानसिक रूप से मजबूत होगा, न कि डिश खाकर। हां, अगर ट्रीट देना ही है, तो हफ्ते में कुछ दिन इसके लिए निर्धारित कर लें। ताकि कम से कम उसका भी एक नियम बच्चे के जहन में रहे और उस मामले में भी अति न होने पाए।

उसके खाने पर आपकी नजर- आपका बच्चे ने बाहर क्या खाया, दिन भर में पानी कितना पिया और कितने कोल्ड ड्रिंक पिए, आदि पर नजर होगी, तो आप उनका खानपान बेहतर तरीके से संभाल पाएंगी। यदि आपको बच्चों में अच्छी आदतें डालनी हैं, तो खुद भी उनका अनुसरण करना होगा। जैसे कि सुबह नाश्ता जरूर करना, दिन में एक फल तो जरूर खाना, दिन में कभी थोड़े से मेवे खाना आदि। जब आप यह सब अपने लिए निकालें, तो उसे भी दें। आपकी देखादेखी उसमें वह हेल्दी आदत के तौर पर पनप जाएगा।

कुछ बच्चों को सिखाएं

खाना हम क्यों खाते हैं, बच्चों को यह बात समझाना कठिन है। फिर भी खाने के सेहत संबंधी पहलू पर उनसे अलग–अलग तरीके से बात जरूर करें। उन्हें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन जैसे कॉन्सेप्ट से परिचित कराएं। इससे उनमें सेहतमंद आहार के प्रति एक रुझान बनेगा।

एक वक्त निर्धारित करें- बच्चे को एक दिशा देना उनके विकास की एक आवश्यकता होती है। थोड़ा अनुशासन भी जरूरी है। यह बात उनके खानपान पर भी लागू होती है।

हाथियों की विरासतः जैव विविधता एवं पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

– सुनील कुमार महला

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव–हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है।

पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको–सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं।मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000ङ्क30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं–अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4ङ्क5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000ङ्क60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60त्न से अधिक हिस्सा रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में मानव–हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023–24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009–2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं।

दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69त्न मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16त्न रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव–हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई।

एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग–नई दिल्ली एक्सप्रेस गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोको पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथियों की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु हो गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागमन रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपायों और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुआ।इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथियों के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी भी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जंगलों का संरक्षण, हाथी कॉरिडोर की सुरक्षा, सुरक्षित रेलवे और बिजली व्यवस्था, तकनीकी निगरानी (जैसे जीपीएस ट्रैकिंग और अलर्ट सिस्टम) तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके और हमारा पारिस्थितिकी तंत्र व पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

शीर्षक : भीषण गर्मी में बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था जरूरी : शुभम शर्मा

भीषण गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच भारतीय मानव अधिकार संरक्षण संघ के राष्ट्रीय सचिव शुभम शर्मा ने समाज के लोगों को बेजुबान पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील होने का संदेश दिया है। शुभम शर्मा ने कहा कि गर्मी के इस कठिन समय में जहां मनुष्य अपने लिए ठंडे पानी की व्यवस्था कर लेता है, वहीं सड़कों पर घूमने वाले बेजुबान पशु-पक्षी पानी के अभाव में अत्यंत कष्ट झेलते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी जीव के लिए पानी से बढ़कर कुछ नहीं होता, और इसी के माध्यम से इस भीषण गर्मी में तन और मन को राहत मिलती है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा कई स्थानों पर राहगीरों के लिए पानी के मटके रखवाए गए हैं तथा पशुओं के लिए पानी पीने हेतु होदियां बनवाई गई हैं। यह कार्य निरंतर जारी है, ताकि अधिक से अधिक जीवों को राहत मिल सके।
उन्होंने कहा कि बेजुबान पशुओं पर दया करना और उनके लिए पानी की व्यवस्था करना एक महान मानव धर्म है। ऐसे कार्य न केवल समाज में करुणा और मानवता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि इससे ईश्वर भी प्रसन्न होते हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपने घर की छत पर पक्षियों के लिए पानी से भरा बर्तन रखें तथा घर के बाहर कुत्तों और अन्य पशुओं के लिए पानी का पात्र अवश्य रखें। इसके साथ ही गलियों में घूमने वाली गायों व अन्य जीवों के लिए भी पानी की व्यवस्था करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि समाज का हर व्यक्ति इस छोटे से प्रयास में सहयोग करे, तो कोई भी बेजुबान जीव प्यासा नहीं रहेगा और यह एक बड़ा सामाजिक बदलाव बन सकता है।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर साइबर ठगी से रहें सतर्कः एसपी मनप्रीत सिंह सूदन

कैथल, 26 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार): जिला पुलिस द्वारा आमजन को साइबर ठगी से बचाने के लिए निरंतर जागरूक किया जा रहा हैं। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने जिलावासियो को आगाह करते हुए बताया कि साइबर अपराधी अब बैंक अधिकारियों या कस्टमर केयर प्रतिनिधियों के रूप में खुद को प्रस्तुत कर क्रेडिट कार्ड धारकों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ये ठग लोगों को कॉल, एसएमएस या व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से संपर्क कर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का लालच देते हैं और इस बहाने से व्यक्तिगत व वित्तीय जानकारी चुराते हैं। एसपी ने बताया कि ठग सबसे पहले बड़े ही प्रोफेशनल तरीके से बात कर भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। इसके बाद वे पीड़ितों से कार्ड नंबर, ओटीपी, सीवीवी, जन्मतिथि जैसी गोपनीय जानकारी मांगते हैं। कई मामलों में ठग लिंक या फर्जी एप्लिकेशन डाउनलोड करवाकर मोबाइल का रिमोट एक्सेस भी हासिल कर लेते हैं। एक बार जानकारी मिलते ही ठग कुछ ही मिनटों में खातों से पैसे निकाल लेते हैं या ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि आमजन को सतर्क और सजग रहना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी बैंक या अधिकृत संस्था फोन पर कभी ओटीपी, कार्ड नंबर या अन्य गोपनीय जानकारी नहीं मांगती। नागरिक किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई ऐप डाउनलोड करें। उन्होंने बताया कि इस तरह के मामलों में अधिकांश लोग ठगों की बातों में आकर बिना पुष्टि किए संवेदनशील जानकारी साझा कर देते हैं, जिससे ठगों को फायदा मिल जाता है। इसलिए ऐसी किसी भी कॉल या संदेश की विश्वसनीयता की पुष्टि करने के लिए संबंधित बैंक के आधिकारिक ग्राहक सेवा नंबर पर सीधे संपर्क करें। एसपी ने नागरिकों से अपील की कि यदि किसी के साथ साइबर ठगी की घटना घटे तो तुरंत 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। समय रहते दी गई जानकारी से कई बार ट्रांजेक्शन को रोका जा सकता है और राशि वापस भी करवाई जा सकती है।

शहर में सातवें वाटर कूलर का शुभारंभ किया

नरवाना, 26 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार): भीषण गर्मी के बीच समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए लायंस क्लब नरवाना ने शहर में सातवें वाटर

कूलर का शुभारंभ किया। यह नेक कार्य स्वर्गीय प्रेम सागर मनुजा की पावन स्मृति में मनुजा परिवार के सहयोग से संपन्न हुआ जिसने कार्यक्रम को भावनात्मक और प्रेरणादायक बना दिया। शुभारंभ अवसर पर दीपक मनुजा व पूजा मनुजा द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना करवाई गई। कार्यक्रम में प्रोफेसर रमेश और तिलक राज सचदेवा की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई ।गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से मौके पर ठंडे मीठे पानी की छबील भी लगाई गई जहां बड़ी संख्या में राहगीरों और आमजन ने पानी पीकर राहत महसूस की। इस सेवा कार्य ने मानवता और परोपकार की भावना को साकार रूप दिया ।लायंस क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर इस पुनीत कार्य को सफल बनाया। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इसी तरह जनहित के कार्य निरंतर जारी रहेंगे ।समाज सेवा के इस प्रेरणादायक कदम के लिए लायंस क्लब नरवाना व मनुजा परिवार बधाई के पात्र हैं।

नारी शक्ति सृजन की जननी और राष्ट्र निर्माण का आधार

कुरुक्षेत्र, 26 अप्रैल (करणदीप सिंह): भारतीय संस्कृति में नारी को साक्षात शक्ति का रूप माना गया है। माँ दुर्गा का स्वरूप हमें यह सिखाता है कि नारी केवल दया और करुणा की प्रतिमूर्ति ही नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध उठने वाली सबसे सशक्त आवाज़ भी है। शक्ति राईज़ ग्लोबल फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदेश शर्मा ने बताया नारी समाज और परिवार की वह धुरी है जिसके इर्द-गिर्द पूरी व्यवस्था घूमती है। एक सशक्त नारी न केवल अपने परिवार को संस्कारित करती है, बल्कि अपने संकल्प और आत्मविश्वास से पूरे राष्ट्र को उन्नति के मार्ग पर ले जाने की क्षमता रखती है। आज के आधुनिक युग में जहाँ नारी हर क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रही है, वहीं यह हमारा दुर्भाग्य है कि कुछ महिलाएं अपनी वास्तविक शक्ति और गौरव को नहीं पहचान पा रही हैं। क्षणिक प्रसिद्धि की चाह में सोशल मीडिया जैसे मंचों पर अश्लीलता फैलाना, अमर्यादित वीडियो बनाना और अपनी समृद्ध संस्कृति से विमुख होना अत्यंत चिंतनीय है। ऐसी राह न केवल व्यक्तिगत चरित्र का ह्रास करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के सामने भी गलत आदर्श प्रस्तुत करती है। हमारा उन सभी से करबद्ध अनुरोध है कि वे अपनी ऊर्जा और शक्ति को पहचानें। अपनी संस्कृति की मर्यादा और अपने आत्म-गौरव को समझते हुए सही राह अपनाएं और समाज कल्याण व राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य सहयोग दें। भारत सरकार द्वारा लाया गया नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों की दिशा में एक ऐतिहासिक क्रांति है। यह अधिनियम महिलाओं को नेतृत्व की मुख्य भूमिका में लाने और उनके निर्णयों को राष्ट्र स्तर पर मान्यता दिलाने का एक प्रभावी माध्यम है। यह कानून सिद्ध करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में नारी शक्ति की भागीदारी अब अनिवार्य और सुनिश्चित है। समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाने हेतु शक्ति राइज़ ग्लोबल फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदेश शर्मा को दो वर्ष पूर्व वूमेन पावर सोशलिटी फाउंडेशन द्वारा प्रतिष्ठित नारी शक्ति वंदन सम्मान से नवाजा गया था। यह सम्मान नारी शक्ति के उस जज्बे को समर्पित है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्यरत हैं। शक्ति राइज़ ग्लोबल फाउंडेशन का लक्ष्य समाज की प्रत्येक महिला को आत्मनिर्भर, जागरूक और स्वावलंबी बनाना है। जब नारी अपने भीतर की शक्ति को पहचान लेगी, तभी एक विकसित और सुरक्षित समाज की कल्पना साकार हो सकेगी।

फसल कटाई के बाद फानों में आग न लगाएं, बल्कि उनका समुचित प्रबंधन करें :उपायुक्त डॉ.आनंद कुमार शर्मा

करनाल, 26 अप्रैल (सुमन लत्ता): उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि गेहूं की फसल की कटाई का कार्य जारी है। फसल कटाई के बाद किसान अक्सर फसल अवशेषों को आग लगा देते हैं ऐसा करने से न केवल हमारी भूमि की उर्वरा शक्ति कमजोर होती है बल्कि हमारा पर्यावरण भी दूषित होता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि खेतों में गेहूं की फसल कटाई के बाद फानों में आग न लगाएं, बल्कि उनका समुचित प्रबंधन करें। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से हमारा पर्यावरण दूषित होता है जिसकी वजह से हमें भंयकर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। फसल अवशेष जलाने से हमारी पैदावार पर असर पड़ता है और उत्पादन लागत अधिक और आमदनी कम हो जाती है। इसके अलावा पर्यावरण प्रदूषण, भूमि की उर्वरा शक्ति का कम होना, लाभदायक कीट/ जीवाणुओं का समाप्त होना तथा मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। साथ ही सम्पत्ति व जान-माल की हानि का भी डर बना रहता है। साथ ही पशु चारे में कमी आती है जबकि इन फसल अवशेषों से तूड़ी बनाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों को जलाने की समस्या को रोकने के लिए पर्यावरण विभाग हरियाणा ने वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 19(5) के प्रावधानों के अंतर्गत पूरे प्रदेश में गेहूं के अवशेषों को जलाने पर रोक लगाई हुई है। आगजनी करने वाले किसानों पर आर्थिक दंड लगाने का प्रावधान किया गया है जिसमे 2 एकड़ तक 5 हजार रुपये, 5 एकड़ तक 10 हजार रुपये तथा 5 एकड़ से ज्यादा 30 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है। साथ ही आगजनी के दोषी किसान के खिलाफ वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के अंतर्गत धारा 39 व भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के अंतर्गत धारा 223 (ए) के अंतर्गत सम्बंधित थाना में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी व उसके मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल रिकॉर्ड में रेड एंट्री की जाएगी, जिससे आगजनी के दोषी किसान अगले दो सीजन अपनी फसल एमएसपी पर नहीं बेच पाएंगे ।

1857 के शहीदों को मिलेगा सम्मान, अंबाला में निर्मित आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का उद्घाटन होगा जल्द- ऊर्जा मंत्री अनिल विज

अनसुने वीरों की गाथा बताएगा अंबाला का शहीद स्मारक, पीएम से जल्द उद्घाटन की उम्मीद : अनिल विज

अम्बाला, 26 अप्रैल (कवलजीत सिंह) : हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आशा व्यक्त की कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति में अंबाला छावनी में निर्मित हो रहे भव्य शहीद स्मारक का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी शीघ्र करेंगे। उन्होंने कहा कि इस स्मारक के खुलने के बाद देशभर के लोग यहां आकर उन अनसुने वीरों (अनसंग हीरोज) की गाथाओं को जान सकेंगे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे ।विज आज अंबाला छावनी स्थित मॉल रोड पर शालिंदर खन्ना (शैली) के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनने के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज के 'मन की बात' कार्यक्रम में वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख किया, जो अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस ऐतिहासिक संग्राम की स्मृति में अंबाला छावनी में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से एक भव्य शहीद स्मारक का निर्माण किया गया है। इसमें 10 मई 1857 से शुरू हुए स्वतंत्रता संग्राम और देशभर में हुए संघर्षों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। अंबाला, मेरठ, झांसी, कश्मीरी गेट सहित विभिन्न स्थानों पर लड़ी गई लड़ाइयों तथा रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे जैसे महान योद्धाओं के योगदान को भी इसमें दर्शाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि 1857 के कई वीरों को इतिहास में उचित पहचान और श्रद्धांजलि नहीं मिल सकी। इसी को ध्यान में रखते हुए इस स्मारक में विशेष 'श्रद्धांजलि स्थल' भी बनाया गया है, जहां लोग उन शहीदों को नमन कर सकेंगे, जिन्हें अब तक पर्याप्त सम्मान नहीं मिल पाया। विज ने बताया कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि मई का महीना 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाता है। उन्होंने मां भारती की वीर संतानों को नमन करते हुए युवाओं, विशेषकर स्कूली बच्चों से आह्वान किया कि वे अपनी छुट्टियों का सदुपयोग करें और कुछ नया सीखने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रातः 11 बजे 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से संवाद करते हैं और विभिन्न विषयों पर प्रेरणादायक विचार सांझा करते हैं। इस बार उन्होंने न्यूक्लियर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा बांस उद्योग को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने बांस को पेड़ की श्रेणी से अलग कर दिया है, जिससे इस क्षेत्र में नवाचार और उद्योग को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से उत्तर-पूर्व भारत में बांस उद्योग को सशक्त बनाने के लिए लोगों से बांस से बने उत्पादों को अपनाने की अपील की। विज ने भी लोगों से आग्रह किया कि वे बांस से बने उत्पादों की खरीद कर इस उद्योग को प्रोत्साहित करें, जिससे उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विकास को बल मिलेगा। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में गणित ओलंपियाड में भारतीय विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया तथा महात्मा बुद्ध के विचारों को भी सांझा किया। विज ने कहा कि महात्मा बुद्ध का संदेश आत्म-अनुशासन पर आधारित है-पहले स्वयं पर शासन करें, फिर दूसरों का मार्गदर्शन करें। यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। विज ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे 'मन की बात' कार्यक्रम को नियमित रूप से सुनें और अपने जीवन का कुछ समय निकालकर इससे प्रेरणा प्राप्त करें, क्योंकि यह कार्यक्रम देश की उपलब्धियों, नवाचारों और सकारात्मक पहलुओं से लोगों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

पुलिसकर्मी को बाइक सवार द्वारा टक्कर मारकर घायल करने के मामले में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 26 अप्रैल (दिनेश कुमार): पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए सेक्टर-17 हड्डा जगाधरी क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी को तेज रफ्तार बाइक सवार द्वारा टक्कर मारकर घायल करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि 24 अप्रैल की रात करीब 11:15 बजे सिपाही नवीन कुमार अपनी टीम के साथ सत्संग विहार नाका प्वाइंट पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार बुलेट मोटरसाइकिल चालक ने नाके पर खड़े सिपाही नवीन कुमार को टक्कर मार दी। हादसे में सिपाही सड़क पर गिरकर घायल हो गया। मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने घायल सिपाही को पहले सिविल अस्पताल यमुनानगर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सिविल अस्पताल जगाधरी रेफर कर दिया गया। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार सिपाही के दाहिने पैर, कंधे और घुटने में चोटें आई हैं तथा सूजन पाई गई। पुलिस ने घायल सिपाही के बयान पर आरोपी बाइक चालक अरुण पुत्र असलम निवासी गांव बड़वा माजरी थाना सदर जगाधरी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 109, 121(1), 132 और 324(4) के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की बुलेट मोटरसाइकिल नंबर ॥6077 और घटना के समय सिपाही की टूटी वर्दी तथा क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन को कब्जे में लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हमारी दुनिया बनाने वाले हर हाथ का सम्मान करें

बरनाला, 26 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) एमटीएस बरनाला में 'मेहनत की इज्जत' विषय पर कार्ड मेकिंग गतिविधि आयोजित की गई। एमटीएस बरनाला में कक्षा तीसरी से नौवीं तक के विद्यार्थियों के लिए 'मेहनत की इज्जत' विषय पर कार्ड बनाने की गतिविधि करवाई गई ।इस गतिविधि में बच्चों ने बड़े उत्साह और सम्मान की भावना के साथ भाग लिया। विद्यार्थियों ने सुंदर कार्ड बनाकर और भावनात्मक संदेश लिखकर समाज के सहायक कर्मचारियों के प्रति अपना प्यार और सम्मान व्यक्त किया। बच्चों की कला और रचनात्मकता काबिले-तारीफ थी। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने मेहनत के महत्व को समझा और हर कार्य करने वाले व्यक्ति के प्रति सम्मान की भावना विकसित की ।छोटे हाथ, बड़े संदेश—सम्मान और सराहना की सुंदर झलक।

कैंपस से दलाल स्ट्रीट तक- आर्यभट्टा ग्रुप में 9 मई को स्टॉक मार्केट सेमिनार

बरनाला, 26 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) बरनाला के प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान आर्यभट्टा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स द्वारा विद्यार्थियों की करियर उन्नति और वित्तीय शिक्षा को मजबूत करने के लिए 9 मई 2026 (शनिवार) को Campus to Dalal Street - Secrets of Stock Market विषय पर एक विशेष सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुबह 11÷00 बजे कॉलेज कैंपस में होगा, जिसमें विभिन्न कोर्सों के विद्यार्थियों के साथ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, बैंक मैनेजर और स्टॉक मार्केट में रुचि रखने वाले लोग भाग लेंगे ।इस सेमिनार की खास विशेषता प्रसिद्ध स्टॉक मार्केट विशेषज्ञ और सचदेवा स्टॉक्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री परमजीत सचदेवा की उपस्थिति होगी, जो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य हैं। वे अपने 35 वर्षों के अनुभव के आधार पर स्टॉक मार्केट के वास्तविक अनुभव, निवेश के तरीके, जोखिम प्रबंधन और दीर्घकालिक वेल्थ क्रिएशन के बारे में विस्तार से जानकारी साझा करेंगे ।इस अवसर पर वे अपने अखबार बेचने से लेकर करोड़ों की कंपनी बनाने तक के प्रेरणादायक सफर को भी विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगे ।आर्यभट्टा ग्रुप के चेयरमैन इंजीनियर राकेश गुप्ता और प्रबंधक समिति के सदस्य राजीव मंगला, विक्की सिंगला, इंदरपाल गोयल, हरभजन सिंह, मोहित मंगला और अश्वनी सिंगला ने बताया कि इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें प्रैक्टिकल जानकारी से जोड़ना है, ताकि वे वास्तविक जीवन में समझदारी से वित्तीय निर्णय ले सकें।

विदाई समारोह में भावुक पलों के साथ रंगारंग कार्यक्रम

बरनाला, 26 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कॉलेजिएट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरनाला में प्रिंसिपल डॉ. श्रीमती सुशील बाला जी के नेतृत्व तथा स्कूल इंचार्ज मैडम मोनिका मित्तल के दिशा-निर्देशों अनुसार विद्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया ।इस अवसर पर बारहवीं कक्षा की छात्राओं ने अपने भावुक पलों और शिक्षकों के साथ बिताई गई अविस्मरणीय यादों को साझा किया तथा साथ ही संस्थान में चल रहे कॉलेज के विभिन्न कोर्सों में प्रवेश लेने की खुशी भी व्यक्त की। इस दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया ।समारोह में जूनियर छात्राओं ने अपनी सीनियर छात्राओं के लिए गुब्बारा गेम, नृत्य और गीतों की प्रस्तुतियां दीं। मैडम श्वेता शोरी और मैडम हरजीत कौर ने निर्णायक की भूमिका बखूबी निभाई ।इस फेयरवेल में मिस फेयरवेल का खिताब राजवीर कौर, मिस कॉन्फिडेंस जैस्मीन, मिस पर्सनैलिटी दपिंदर ने हासिल किया, जबकि सेकेंड रनर-अप कमल और फर्स्ट रनर-अप अंजली रहीं ।स्टेज संचालन की जिम्मेदारी अंग्रेजी विभाग की मैडम किरण सिकरी और विद्यार्थियों ने बखूबी निभाई। इस अवसर पर समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। यह समारोह छात्राओं के शैक्षणिक और पेशेवर जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ उन्हें अविस्मरणीय यादें दे गया।

वाईएस पब्लिक स्कूल द्वारा 'रूट्स एंड विंग्स' पर्यावरण अभियान का आयोजन

बरनाला, 26 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) भारत के टॉप 50 स्कूलों में शामिल वाईएस पब्लिक स्कूल द्वारा 'रूट्स एंड विंग्स' – 'पौधे लगाओ, घोंसले लगाओ, जीवन बचाओ' थीम के तहत एक विशेष पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया ।यह कार्यक्रम नेचर लवर्स टीम बरनाला के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें छठी से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर श्री साकुल कौशल और नेचर्स क्लब टीम विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों के प्रभावशाली भाषणों और 'प्रकृति की संरक्षण' पर आधारित स्व-रचित कविता से हुई ।अतिथियों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्कूल परिसर में एक पौधारोपण अभियान चलाया गया और पक्षियों तथा जैव विविधता की सुरक्षा के लिए नेस्ट प्लेसमेंट गतिविधि भी करवाई गई ।इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।

कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय ध्वज को दी सलामी

करनाल,26 अप्रैल (रविन्द्र): कांग्रेस सेवा दल की परंपरा के तहत महीने के आखिरी रविवार को राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। शहीद उधम सिंह की प्रतिमा के नजदीक यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम कार्यकर्ताओं ने शहीद उधम सिंह की प्रतिमा की सफाई की। इसके बाद उन्हें पुष्पमालाएं अर्पित की गई। सेवादल के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। सेवादल के जिला प्रधान अनिल शर्मा, ग्रामीण प्रधान मदन राणा व महिला प्रधान हरदीप कौर ने कार्यकर्ताओं को सेवादल के मूल कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवा दल की शुरुआत 1924 में एनएस हार्डिकर ने आंध्र प्रदेश के काकिनाडा में की थी। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू कांग्रेस सेवा दल के पहले चेयरमैन बनाए गए। आजादी की लड़ाई में शामिल कांग्रेस के बड़े नेता इसके सदस्य रहे। प्रदेश महासचिव जसबीर पान्नु ने कहा कि सेवा दल के स्वयंसेवक गांधी टोपी पहनने और उनके विचारों पर चलने के लिए जाने जाते हैं। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय गान का गायन किया गया। चाय पर चर्चा कार्यक्रम 'रवि मिलन' का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव जसबीर पान्नु, महिला प्रदेश महासचिव सुनीता रानी, प्रदेश संगठन सचिव ईशम सिंह चौहान, प्रदेश सचिव बलजीत चौहान, जिला महासचिव गुरमीत सिंह, वरिष्ठ उपप्रधान सुखबीर सिंह, उपप्रधान पुरुषोत्तम चौरा, ब्लॉक प्रधान इंद्री श्रवण कुमार, ब्लॉक करनाल प्रधान राजपाल सिंह, जिला सचिव सचिन तोमर, मीडिया प्रभारी सुनील शर्मा, साहिल, सर्वजीत सिंह व महिंद्रा रानी आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में सुना

चंडीगढ़, 26 अप्रैल (के.के.संधू): हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गुरुग्राम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात'

कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जन आक्रोश महिला सम्मेलन में भी शिरकत की।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संवाद स्थापित करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री हर महीने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व के मुद्दों पर चर्चा करते है। सरकार की नीतियों और पहलों को नागरिकों तक पहुंचाना और उनकी प्रतिक्रिया जानना भी इसका एक महत्वपूर्ण पहलू है।उन्होंने कहा कि मन की बात प्रधानमंत्री और आम जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के जरिए देशभर में हो रहे सकारात्मक प्रयासों, सामाजिक नवाचारों और जनभागीदारी की प्रेरक कहानियों को सामने लाया जाता है, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और समाज में मेल-जोल की भावना को बढ़ावा देती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं को नवाचार, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। मन की बात कार्यक्रम न केवल विचारों को दिशा देता है, बल्कि देशवासियों को विकास, सेवा और जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश भी देता है।

विशेष सत्र को लेकर विधान सभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को दिए दिशानिर्देश

सुरक्षा और तकनीकी व्यवस्थाओं पर विशेष जोर

चंडीगढ़, 26 अप्रैल (के.के.संधू): हरियाणा विधान सभा के 27 अप्रैल को प्रस्तावित विशेष सत्र को लेकर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने रविवार को विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में सत्र की सभी तैयारियों का विस्तृत आकलन किया गया और विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान विधान सभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए कहा कि विशेष सत्र की समस्त व्यवस्थाएं समयबद्ध, सुव्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित की जाएं, ताकि कार्यवाही सुचारु एवं निर्बाध रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने विशेष रूप से तकनीकी संसाधनों की सुचारु उपलब्धता, सुदृढ़ सुरक्षा प्रबंध, सदस्यों की सुविधाओं तथा मीडिया समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि विधान सभा का प्रत्येक सत्र लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, ऐसे में इसकी गरिमा और प्रभावशीलता बनाए रखना सभी संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी सजगता, समन्वय और उत्तरदायित्व के साथ करें। इससे पूर्व शुक्रवार को विधान सभा अध्यक्ष ने पुलिस महानिदेशक अजय सिंहल और एडीपीपी (सीआईडी) सौरभ सिंह के साथ बैठक कर विशेष सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की और पूर्व की तरह सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए, ताकि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके।

कालका में गौशालाओं को अनुदान राशि वितरित, विधायक शक्तिरानी शर्मा व सांसद रेखा शर्मा रहीं उपस्थित

कालका, 26 अप्रैल (अख्तर फ़ारूक़ी,अजीत सिंह): कालका स्थित पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में आयोजित चेक वितरण कार्यक्रम में विभिन्न गौशालाओं को अनुदान राशि के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में

कालका की लोकप्रिय विधायक शक्तिरानी शर्मा एवं राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ी। कार्यक्रम के दौरान श्री राधे श्याम गौशाला, कालका-पंचकूला को रुपये 11,39,880 की राशि प्रदान की गई। कामधेनु गौशाला सेवा सदन को रुपये 7,38,800 का चेक दिया गया। सरस्वती सोशल वेलफेयर ट्रस्ट, रायपुर रानी को रुपये 2,46,100 की अनुदान राशि दी गई। ब्रह्मऋषि बावरा गोसदन संस्थान, विराट नगर पिंजौर को रुपये 4,88,520 का चेक सौंपा गया। वहीं श्री गोपाल गौशाला, रामनगर खोली को रुपये 1,62,380 की राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर विधायक शक्तिरानी शर्मा ने कहा गौसेवा हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। गौशालाएँ न केवल गौवंश के संरक्षण का कार्य करती हैं, बल्कि समाज में सेवा, संवेदना और संरक्षण की भावना को भी मजबूत बनाती हैं। माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार गौशालाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा इस दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा दी जा रही यह सहायता गौशालाओं को और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमारा प्रयास है कि गौशालाओं को निरंतर सहयोग मिलता रहे, ताकि वे बेहतर तरीके से गौसेवा का कार्य कर सकें। इस दिशा में कार्य कर रही सभी संस्थाओं का योगदान अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि गौशालाओं को दी जा रही यह आर्थिक सहायता न केवल गौसेवा को सुदृढ़ करेगी, बल्कि समाज में सेवा और संरक्षण की भावना को भी बढ़ावा देगी। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम में गौशाला संचालक, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मन की बात के माध्यम से देशवासियों को मिलती है जनभागीदारी, सेवा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा : सुमन सैनी

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने गांव बदरपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 133 वां संस्करण सुना

लाडवा, 26 अप्रैल (रामगोपाल): हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के माध्यम से देशवासियों को जनभागीदारी, सेवा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक विचार, देशहित के प्रति उनका दृष्टिकोण और समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले संदेश हम सभी को निरंतर प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को आगे बढ़ा रहे हैं। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी रविवार को लाडवा विधानसभा के गांव बदरपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 133 वां संस्करण सुन रही थी। कार्यक्रम में पहुंचने पर उपाध्यक्षा सुमन सैनी का मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कार्यक्रम के उपरांत ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही अधिकारियों को उन समस्याओं को दूर करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि इस कार्यक्रम में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व के मुद्दों पर चर्चा की जाती है। सरकार की नीतियों को नागरिकों तक पहुंचाना और उनकी प्रतिक्रिया जानना भी इसका एक महत्वपूर्ण पहलू है। मन की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आम जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के जरिए देशभर में हो रहे सकारात्मक प्रयासों, सामाजिक नवाचारों और जनभागीदारी की प्रेरक कहानियों को सामने लाया जाता है, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और समाज में मेलजोल की भावना को बढ़ावा देती है। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर उन व्यक्तियों और समुदायों की प्रेरणादायक कहानियां भी साझा करते हैं जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। इस कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर नागरिकों द्वारा भेजे गए विचारों, सुझावों और अनुभवों को भी साझा करते हैं। इसके लिए एक ऑनलाइन पोर्टल माई जीओवी भी बनाया गया है। इस पर नागरिक अपने विचार और सुझाव भेज सकते हैं। कुछ चुनिंदा संदेशों को कार्यक्रम में शामिल भी किया जाता है। मन की बात कार्यक्रम का देश में गहरा प्रभाव पड़ा है।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे देश के नागरिकों से जुडने का एक अनूठा मंच प्रदान करता है। रेडियो की व्यापक पहुंच के कारण, यह देश के दूर-दराज के क्षेत्रों तक भी पहुंचता है। इस कार्यक्रम में हरियाणा के लोगों की उपलब्धियों का भी अनेक बार जिकर हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संवाद स्थापित करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री के विचारों को भारत के आम लोगों तक पहुंचाना है। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करते हुए उन्हें तो गर्व महसूस होता ही है। इसके साथ ही दूसरे लोगों को भी लगता है कि हमें भी उनकी तरह मेहनत करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं को नवाचार आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। मन की बात कार्यक्रम न केवल विचारों को दिशा देता है, बल्कि देशवासियों को विकास, सेवा और जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढने का संदेश भी देता है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, नरेंद्र दबखेड़ा, महामंत्री कर्मबीर सिंह, शक्ति केंद्र प्रमुख रणबीर पाल, सतीश कटारिया, अमन सिंगला, बूथ अध्यक्ष सुरेंद्र चौहान, बीएलए-2 सुरज चौहान, पार्थ शर्मा, संजीव बडाचपुर, गुरदीप सिंह, त्रिलोक चंद, सतप्रकाश शर्मा, अनिल माटा, सन्नी कालड़ा, प्रदीप सहगल सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सल्फर फ्री रिफाइंड शुगर अब थोक दरों पर करनाल शुगर मिल रिटेल शॉप पर भी उपलब्ध : एमडी अदिति

करनाल चीनी मिल द्वारा गन्ना आपूर्ति का भुगतान करने में प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों अव्वल

करनाल, 26 अप्रैल (परमजीत कौर): सहकारी चीनी मिल की प्रबंध निदेशक अदिति ने बताया कि करनाल सहकारी चीनी मिल ने मिल में उत्पादित सल्फर फ्री रिफाइंड शुगर को थोक दर पर बेचने कि दिशा में रिटेल शॉप की चीनी मिल परिसर, मेरठ रोड पर स्थापना की गयी है ताकि स्थानीय लोगों को थोक दरों पर गुणवत्ता पूर्ण सल्फर फ्री चीनी उपलब्ध हो सके। इस रिटेल शॉप पर सल्फर फ्री रिफाइंड चीनी की 5 किलोग्राम व 10 किलोग्राम की पैकिंग भी उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि करनाल चीनी मिल ने की गई गन्ना आपूर्ति का 92 प्रतिशत भुगतान कर दिया है जोकि प्रदेश कि सभी सहकारी चीनी मिलों में अव्वल है। इसके अतिरिक्त गत दिवस संपन्न हुई बोर्ड ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन

की मीटिंग में करनाल सहकारी चीनी मिल ने मिल में उत्पादित शीरे को 1517 रुपये प्रति क्विंटल की दर से ऑनलाइन टेंडर प्रणाली के माध्यम से विक्रय किया है जोकि सभी सहकारी चीनी मिलों में अब तक का सर्वाधिक मूल्य है। करनाल सहकारी चीनी मिल ने पिराई सत्र 2025-26 के दौरान अपनी पिराई क्षमता का शत प्रतिशत उपयोग करते हुए 124 दिनों में 38.82 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई की है तथा 9.55 प्रतिशत चीनी रिकवरी के साथ चीनी मिल ने 3.71 लाख क्विंटल रिफाइंड चीनी का उत्पादन किया है तथा रिकवरी में प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इस पिराई सत्र में चीनी मिल में स्थापित 18 मेगावाट कोजेनरेशन प्लाट से कुल 4.82 करोड़ केडब्ल्यूएच यूनिट का उत्पादन किया तथा जिसमें से 3.12 करोड़ केडब्ल्यूएच यूनिट उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम को निर्यात करके 19.79 करोड अतिरिक्त शुद्ध लाभांश प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त करनाल सहकारी चीनी मिल ने आगामी पिराई सत्र के लिए 50.00 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई का लक्ष्य रखा गया है। इस पिराई लक्ष्य को पूरा करने के लिए समय-समय पर गांव-गांव जाकर प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में किसान गोष्ठियों का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि गन्ना प्रजनन संस्थान के कृषि वैज्ञानिकों, सहकारी चीनी मिल के गन्ना अधिकारियों द्वारा जागरूकता अभियान के तहत गन्ना बिजाई की आधुनिक तकनीक के बारे में किसानों को बताया गया तथा गन्ना बिजाई में अगेती किस्म जैसे सीओ-15023, सीओ-0118, सीओएच-160 की बिजाई करने की सलाह दी गई। इसी श्रृंखला में गन्ना प्रजनन संस्थान, करनाल के माध्यम से किसानों को गन्ने की नयी किस्मों जैसे सीओ-17018, सीओ-16030 का बीज भी उपलब्ध करवाया गया। यहाँ पर यह भी उल्लेखनीय है कि इस वर्ष करनाल सहकारी चीनी मिल को उत्कृष्ट उत्पादन एवं बेहतर गुणवत्ता के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक आईएसओ 9001: 2015 से नवाज़ा गया है। यह गत 15 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मानक आईएसओ 9001: 2015 प्राप्त करने वाली पहली सहकारी चीनी मिल है।

भंडारे में सैंकड़ो श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

शाहाबाद मारकंडा, 26 अप्रैल (रूबी): सिद्ध श्री बाबा बालक नाथ मंदिर एवं धर्मशाला सभा द्वारा श्री हरमिलापी कृष्णा मंदिर धर्मशाला में भंडारा लगाया गया। सभा के प्रधान मयंक चावला ने बताया कि सभा द्वारा हर वर्ष

हवन-यज्ञ, भूमि पूजन, जागरण व विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। भंडारा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया और बाबा बालक नाथ के चरणों में माथा टेका। सर्वप्रथम पूजा-अर्चना की गई। प्रधान मयंक चावला ने बाबा बालक नाथ की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि बाबा जी की कृपा से भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। उन्होंने बताया कि बाबा बालक नाथ सच्चे मन से की गई प्रार्थना को अवश्य स्वीकार करते हैं और अपने भक्तों पर सदैव कृपा बनाए रखते हैं। चावला ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारा और आपसी प्रेम बढ़ता है। सभी ने बाबा बालक नाथ का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने परिवार की सुख-शांति की कामना की। भगत विनोद साहनी ने बाबा बालक नाथ के सुंदर-सुंदर भजन प्रस्तुत कर समा बांधा और बाबा जी की महिमा बारे बताया। इस अवसर पर भाजपा नेता सुभाष कलसाना, पूर्व नपा प्रधान बलदेवराज चावला, इन्द्र मोहन वशिष्ट अतिरिक्त प्रधान, निखिल साहनी सचिव, प. सुनील वशिष्ट, अनिल शर्मा कैशियर, राजीव सिंह, गौरव अरोड़ा सहित श्रद्धालु उपस्थित थे।

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

बरनाला, 26 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) वाई एस स्कूल में अचीवर्स अवॉर्ड समारोह बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ आयोजित किया गया, जिसने सभी के लिए प्रेरणादायक माहौल तैयार किया। इस अवसर पर ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करने वाले गोल्ड मेडलिस्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही खेलों में जिला और राज्य स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों को भी मंच पर सम्मानित किया गया।समारोह का विशेष आकर्षण प्राउड वॉक विद पेरेंट्स रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ गर्वपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए मुख्य अतिथि के रूप में मिस रजनी (देविक की माता) और इंस्पेक्टर श्री राजपाल ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य में और ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया।यह समारोह केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मेहनत, लगन और सफलता का एक उत्सव बन गया, जिसने सभी के दिलों पर एक गहरी छाप छोड़ी।

आर्यभट्ट कॉलेज के डीन (अकादमिक) डॉ. भवेत गर्ग के पिता श्री गोबिंद गोपाल गर्ग के निधन पर गहरा शोक व्यक्त

बरनाला, 26 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) आर्यभट्ट कॉलेज, बरनाला के डीन (अकादमिक) डॉ. भवेत गर्ग को उस समय गहरा सदमा लगा जब उनके पूजनीय पिता श्री गोबिंद गोपाल गर्ग का निधन हो गया। इस दुखद समाचार के मिलते ही कॉलेज की प्रबंधकीय समिति, स्टाफ और विद्यार्थियों में शोक की लहर दौड़ गई। कॉलेज के चेयरमैन इंजीनियर राकेश कुमार गुप्ता ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि श्री गोबिंद गोपाल गर्ग एक नेकदिल और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। उनका निधन परिवार और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।इस अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. अजय कुमार मित्तल, प्रबंधन समिति के सदस्य श्री हरभजन सिंह, श्री अश्वनी कुमार, श्री इंदरपाल गोयल, श्री राजीव मंगला, श्री नरेश कुमार, श्री मोहित मंगला और श्री रोहित मंगला सहित टीचिंग एवं नॉन-टीचिंग स्टाफ ने गर्ग परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पीएम विश्वकर्मा योजना से कारीगरों और शिल्पकारों के हुनर को मिल रही नई पहचान- उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा

करनाल, 26 अप्रैल (प्रवीन कुमार): उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि शिल्पकार व कारीगर समाज के नवनिर्माण में अपना बहुमूल्य सहयोग देते हैं। शिल्पकारों व कारीगरों के हुनर को सम्मान देते हुए केंद्र सरकार की ओर से पीएम विश्वकर्मा योजना चलाई जा रही है, जिससे उनके हुनर को पहचान मिल रही है। उपायुक्त ने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना भारत की पारंपरिक कला और शिल्पकला को जीवित रखने और देश के कारीगरों और शिल्पकारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायक है। पीएम विश्वकर्मा योजना का मुख्य लक्ष्य कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों की पहुंच को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ावा देना और उनकी गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि वे घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत हों। यह योजना पूरे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करती है। पात्र आवेदक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर मोबाइल सत्यापन और आधार ई-केवाईसी के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना पोर्टल पर पंजीकरण करके पीएम विश्वकर्मा योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 18 विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यवसायों को शामिल किया गया है, जिनमें नाव बनाना, शस्त्राकार, लुहार, हथौड़ा व लोहे के औजार बनाना, ताला बनाना, सुनार, कुंभकार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी, सुथार, चटाई बनाना, गुडि?ा व खिलौने बनाना, बारबर, धोबी, दर्जी और मछली पकडऩे के लिए जाल बनाने का काम आदि शामिल है। उन्होंने योजना के पात्र सभी कारीगरों को आह्वान किया कि वे तुरंत इस योजना को लेकर अपना रजिस्ट्रेशन करें और लाभ उठाएं।पीएम-विश्वकर्मा योजना से श्रमिकों के बच्चों को इस प्रकार मिलता है लाभउपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि पीएम-विश्वकर्मा योजना के तहत श्रमिक की बेटी के लिए जो कॉलेज पढ़ती है, उसको इलेक्ट्रिक स्कूटी के लिए 50 हजार रूपए तथा श्रमिक को साइकिल खरीदने के लिए पांच हजार रुपए दिए जाते हैं। इसी प्रकार से महिला श्रमिक को सिलाई मशीन खरीदने के लिए 4500 रुपए, श्रमिक के स्कूल जाने वाले बच्चों को 9वीं तथा 10वीं और आईटीआई व डिप्लोमा के विद्यार्थियों को 10 हजार रुपए दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को 12 हजार रुपए दिए जाते हैं।इसी प्रकार से बीए, पॉलिटेक्निक, डिप्लोमा, सीए, एएनएम, जीएनएम, अंडर ग्रेजुएट डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थियों को 15 हजार रुपए का लाभ दिया जाता है। फार्मेसी व इंजीनियरिंग डिग्री वाले विद्यार्थियों को 20 हजार रूपए तथा एमबीबीएस, बीएएमएस व बीडीएस करने वाले छात्र-छात्राओं को 21 हजार रुपए वार्षिक लाभ इस योजना के तहत दिया जाता है। इस योजना के तहत, विश्वकर्मा भाई-बहनों को 3 लाख तक का बिना गारंटी ऋण की सुविधा, 15 हजार रुपये तक की टूलकिट सहायता राशि, कौशल विकास के लिए ट्रेनिंग के साथ ही प्रतिदिन 500 रुपये स्टायफंड, उत्पादों के लिए क्वालिटी सर्टिफिकेशन, ब्रांडिंग और मार्केटिंग सहायता सुनिश्चित कर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बना रही है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से केंद्र सरकार विश्वकर्मा भाई-बहनों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोडऩे की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

संसार के सभी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दुखी एवं तनावग्रस्त हैं - डा.नरेंद्र कुमार

अमृतसर 26 अप्रैल (मधु राजपूत) सच्चो सच पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.नरेंद्र कुमार ने पत्रकार सम्मेलन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा है कि है कि सारे संसार के अंदर सभी राजे दुखी है । आज के ज़माने में किसी देश का राष्ट्रपति का राज हो या प्रधान मंत्रि का सभी एक दूसरे की सरकार गिराने में लगे रहते हैं या दूसरे को नीचा दिखाने में लगे रहते हैं। रामायण में लिखा है कि जिस राजे प्रजा दुखी वह राजा नरकों का अधिकारी है । श्री गुरुग्रंथ साहेब में पंचम पात शाह श्री गुरू अर्जुन देव जी ने सुखमनी साहेब बानी के अंदर लिखा है

सगल सृष्टि को राजा दुखीया ,
हरि का नामु जप्त होई सुखिया ।।

संसार के अंदर जिनको भी राज भाग मिला है उन को जनता हक्क नहीं मारना चाहिए। जनता के हक्क का पैसा जनता की भलाई के लगता तो हुक्मरान पापों के भागीदार बनजाएंगे कई जन्मों के पुन: कर्मफल के कारण राज भाग मिलता । सच्चा लोक तंत्र स्थापित करके लोक हितकारी राज प्रबंध लागू करना चाहिए। इस अवसर पर पंजाब अध्यक्ष डा.नरेश चलोत्रा राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य रमेश शर्मा सुच्चा लाल सुखविंदर सिंह मनजिंदर मान रविंद्र सिंह ढिलों डा नंदा डा सुखबीर उत्तम सांई रकेश भारद्वाज और शेरा लहौरिया शामिल हुए।

कॉलेज तथा स्कूल लाडवा के सदस्यों ने संसद भवन का किया भ्रमण

देश की शासन प्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से समझने का मिला अवसर : पवन गर्ग

लाडवा, 26 अप्रैल (रामगोपाल): इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज तथा संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल लाडवा प्रबंधक समिति प्रधान पवन गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय एवं माननीय सांसद नवीन जिंदल के विशेष प्रयासों के फलस्वरूप शुक्रवार को कॉलेज तथा स्कूल लाडवा की जनरल बॉडी सदस्यों ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन लोकसभा एवं राज्यसभा का प्रेरणादायक भ्रमण किया।इस यात्रा के दौरान सभी सदस्यों ने संसद की कार्यवाही को नजदीक से देखा और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की जटिलताओं एवं प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा। प्रतिभागियों को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यप्रणाली, विधेयकों के निर्माण, चर्चा एवं पारित होने की प्रक्रिया सहित संसदीय परंपराओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान सदस्यों ने संसद भवन की ऐतिहासिक और संवैधानिक महत्ता को भी समझा, जिससे उनके ज्ञान और दृष्टिकोण में सकारात्मक विस्तार हुआ। इस अवसर को सभी ने अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणास्त्रोत बताया। पवन गर्ग ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों और प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं, क्योंकि इससे उन्हें देश की शासन प्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिलता है। अंत में सभी सदस्यों ने इस महत्वपूर्ण अवसर के लिए सांसद नवीन जिंदल का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे, जिससे समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। सभी ने दिल्ली में स्थित रेल म्यूजियम का भी भ्रमण किया।

नई ल्लि संसद भवन में पवन गर्ग सहित सरदार जितेंद्र सिंह गिल, गौरव कंसल, हरीन्द्र सिंघल, सुनील गर्ग, सुशील गर्ग, राजेंद्र पाल, सरदार सतेंद्र सिंह, सुमित गर्ग व, रोहित गर्ग और रविंद्र कुमार ने भ्रमण किया।

फायर कर्मचारियों का आंदोलन तेज नरवाना मे 27 अप्रैल से क्रमिक भूख हड़ताल का ऐलान

नरवाना, 26 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार): हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की हड़ताल रविवार को 19वें दिन भी जारी रही। धरने की अध्यक्षता एफओ सुरेंद्र घसो ने की, जबकि मंच संचालन ब्लॉक

नरवाना प्रधान राजा सिंह गुरथली द्वारा किया गया।ब्लॉक प्रधान राजा सिंह गुरथली ने जानकारी देते हुए बताया कि कर्मचारियों के आंदोलन को और तेज करते हुए 27 अप्रैल से क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। इसके तहत प्रतिदिन दो फायर कर्मचारी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद की कालका स्टील कंपनी में हुए भीषण अग्निकांड के दौरान ड्यूटी निभाते हुए फायर कर्मचारी भवी चंद शर्मा और रणवीर सिंह शहीद हो गए थे। यूनियन ने सरकार से मांग की है कि शहीद कर्मचारियों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, एक सदस्य को पक्की नौकरी तथा कर्मचारियों को शहीद का दर्जा दिया जाए।यूनियन नेताओं ने स्पष्ट किया कि सर्व कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर जब तक शहीदों को न्याय नहीं मिलता और उनकी 22 सूत्रीय मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा। धरने में एलएफएम राममेहर श्योकंद, कमलजीत, सोहन लाल, प्रवीन कुमार, सत्यवान सिंह, पवन कुमार, आकाशदीप, रामनिवास, सुभाष चंद, कपिल, शम्मी, विनोद सहित कई फायर कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने दी चेतावनी,मांगें पूरी न होने तक आंदोलन रहेगा जारी।

दीपक गुप्ता दूसरी बार बने भारत विकास परिषद शाहाबाद के अध्यक्ष

शाहाबाद मारकंडा, 26 अप्रैल (रूबी): भारत विकास परिषद शाहाबाद शाखा का दायित्व ग्रहण समारोह जी.टी. रोड स्थित एक निजी होटल में

आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रीय गीत के साथ किया गया। तत्पश्चात शाखा सचिव डा. कंवल गाबा ने गतवर्ष किए गए कार्यों का विवरण दिया। क्षेत्रीय अध्यक्ष डा. परमजीत पाहवा की गरिमामयी उपस्थिति रही व प्रांतीय महासचिव अतुल गोयल ने नई टीम को दायित्व ग्रहण करवा कर शपथ दिलवाई। समारोह में दीपक गुप्ता को दूसरी बार अध्यक्ष, डा. कँवल गाबा को सचिव, हेमन्त बंसल को कोषाध्यक्ष पद की शपथ दिलवाई। संयोजकों में डा. रविन्द्र गर्ग महिला सहभागिता, संयोजक सम्पर्क गुरचरण सिंगला,संयोजक संस्कार अमित अग्रवाल,संयोजक सेवा राज कुमार कथूरिया एवं संयोजक पर्यावरण सुमीत सिंगला को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के प्रांतीय अध्यक्ष कपिल गुप्ता ने शाहाबाद शाखा को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। प्रान्तीय उपाध्यक्ष मनीष मलिक ने रजनीश गर्ग,नितिश गर्ग,जितेंद्र मदान व विपुल अग्रवाल को परिषद में शामिल कर शपथ दिलाई। शाखा अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने एक बार पुन: अध्यक्ष पद ग्रहण करने पर सभी सदस्यों का अभिनंदन किया व प्रान्त से आए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को शाखा को नई बुलंदियों तक पहुँचाने का विश्वास दिलाया। मंच संचालन मीनू मित्तल ने ने किया। इस अवसर पर प्रो. अमरनाथ शर्मा, अनिल अरोड़ा, राजेश बावेजा, भूषण नारंग, डॉ. नरेश गर्ग, यशपाल सिंगला,ललित गुप्ता सहित सदस्य उपस्थित थे।

स्वच्छता और सौंदर्यीकरण का संगम, रंगों से संवर रहा शहर : सुमन बहमनी

मेयर ने परखी वॉल पेंटिंग, बदहाल दीवारों को संवारने के दिए निर्देश

यमुनानगर, 26 अप्रैल (दिनेश कुमार): स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 के तहत शहर को स्वच्छ, सुंदर और जागरूक बनाने की दिशा में नगर निगम द्वारा प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग कराई जा रही हैं। इन पेंटिंग्स के माध्यम से लोगों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का संदेश दिया जा रहा है। इसी को लेकर मेयर सुमन बहमनी ने मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी अभिश्रुति और सहायक अभियंता सुरेंद्र दहिया के साथ शहर में चल रहे वॉल पेंटिंग कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को इस कार्य को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मेयर ने निगम अधिकारियों और स्वच्छ भारत मिशन की टीम के साथ विभिन्न स्थलों का दौरा किया तथा तैयार की जा रही पेंटिंग्स की गुणवत्ता और संदेशों की उपयोगिता को परखा। उन्होंने कहा कि वॉल पेंटिंग केवल सौंदर्यीकरण का माध्यम नहीं, बल्कि जनजागरूकता का सशक्त अभियान है। रंगों और संदेशों के जरिए लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करना स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के मुख्य मार्गों, सड़क किनारे स्थित बदहाल और जर्जर दीवारों को चिन्हित कर उन पर आकर्षक व संदेशपरक पेंटिंग कराई जाएं, ताकि शहर की सुंदरता भी बढ़े और नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो। उन्होंने कहा कि वॉल पेंटिंग के जरिए शहर के हर कोने तक स्वच्छता अभियान का संदेश पहुंचाया जा सकता है। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 में बेहतर रैंकिंग के लिए लगातार प्रयासरत है और इसमें नागरिकों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि जन आंदोलन है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भूमिका जरूरी है। शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। स्वच्छ भारत मिशन की टीम ने मेयर को विभिन्न थीम आधारित पेंटिंग्स की जानकारी भी दी, जिनमें कचरा पृथक्करण, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त शहर, स्वच्छ सार्वजनिक स्थल और पर्यावरण संरक्षण जैसे संदेश शामिल हैं। मेयर ने निर्देश दिए कि पेंटिंग्स में स्थानीय संस्कृति, विरासत और जनहित के संदेशों को भी प्रमुखता दी जाए।

शिक्षा के साथ साथ सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत जरुरी : कैलाशो सैनी

हरियाणवी सिंगर एवं अभिनेता अजय हुड्डा के दमदार गीतों पर झूम उठे दर्शक

बाबैन, 26 अप्रैल (राजेश कुमार): भारत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रांगण में वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'आगाज़ 2026' का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण के रूप में प्रसिद्ध हरियाणवी गायक एवं अभिनेता अजय हुड्डा ने अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद कैलाशो सैनी, चेयरमेन ओमनाथ सैनी तथा वाइस चेयरमैन भारत सैनी ने अजय हुड्डा का बुक्का भेंट कर जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। जैसे ही अजय हुड्डा मंच पर पहुंचे, पूरा परिसर तालियों और सीटियों की गूंज से गूंज उठा और माहौल पूरी तरह उत्साह एवं ऊर्जा से भर गया। अजय हुड्डा ने अपने सुपरहिट हरियाणवी गीतों और दमदार प्रस्तुति से छात्रों एवं स्टाफ का भरपूर मनोरंजन किया। उनकी प्रस्तुतियों ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया और कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में भांगड़ा, हरियाणवी लोक नृत्य, समूह नृत्य, गायन एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। छात्रों की प्रस्तुतियों को खूब सराहना मिली और पूरे आयोजन में सांस्कृतिक विविधता की झलक देखने को मिली। पूर्व सांसद कैलाशो सैनी ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने छात्रों को पढ़ाई के साथ अपनी प्रतिभा को भी निखारने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के वाइस चेयरमेन भारत सैनी ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी कला और प्रतिभा दिखाने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, कलाकारों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद किया गया और 'आगाज़ 2026' को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों की सराहना की।

कालका में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन, 30 अप्रैल से 3 मई तक भक्तों के लिए विशेष कार्यक्रम

कालका, 26 अप्रैल (अख्तर फ़ारूक़ी,अजीत सिंह): शहर में धार्मिक माहौल को और अधिक भक्तिमय बनाने के लिए श्रीमद भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 30 अप्रैल से 3 मई 2026 तक गीता भवन में आयोजित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत 30 अप्रैल को कलश यात्रा के साथ होगी, जो शाम 5 बजे श्री काली माता मंदिर से गीता भवन तक निकाली जाएगी। इसके बाद प्रतिदिन 30 अप्रैल से 3 मई तक कथा का समय शाम 4 बजे से 7 बजे तक रहेगा। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शक्तिरानी शर्मा उपस्थित रहेंगी। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आरसी मिश्रा भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। कथा का वाचन प्रसिद्ध कथावाचक स्वामी डॉ. अमृता देवी द्वारा किया जाएगा, जिनके प्रवचनों का लाभ श्रद्धालु प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिन 3 मई को शाम 7 बजे से भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। इस आयोजन का संचालन पिंकी संयाली द्वारा किया जा रहा है, और आयोजकों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

गुरुसर में लगा सेवा का शिविर, नरवाना के 79 मरीजों की जांच, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी निशुल्क सेवाएं

नरवाना, 26 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार): रविवार को गांव गुरुसर स्थित शिव मंदिर परिसर में जयराम नेत्र, दंत, प्रसूति एवं सामान्य अस्पताल द्वारा एक निश्शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें

ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 79 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श व उपचार प्रदान किया गया।शिविर में डॉ. गरिमा शर्मा व डॉ. शशि बाला ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं देते हुए मरीजों के बीपी, शुगर, पेट व दांतों से जुड़ी समस्याओं की जांच की। नर्सिंग स्टाफ में विनोद बिश्नोई, सिमरन, सोनू और मोनू ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया।डॉ. गरिमा शर्मा ने बताया कि शिविर में शुगर के मरीजों की संख्या सबसे अधिक पाई गई, जो क्षेत्र में बदलती जीवनशैली की ओर संकेत करता है। उन्होंने यह भी कहा कि शिविर के बाद भी अस्पताल में उनकी सेवाएं नियमित रूप से जारी रहेंगी।ग्राम सरपंच परवीन ने शिविर का निरीक्षण करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि आमजन को बिना आर्थिक बोझ के विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो, ताकि गंभीर बीमारियों का समय रहते इलाज हो सके। इस अवसर पर अस्पताल के प्रधान कैलाश सिंगला ने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची उपासना है।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में आंख, दांत, एमडी मेडिसिन हृदय व शुगर , स्त्री रोग, पंचकर्म व फिजियोथेरेपी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं साथ ही 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं भी संचालित हैं।उल्लेखनीय है कि कैलाश सिंगला के नेतृत्व में इससे पूर्व भी नेत्र, त्वचा एवं स्त्री रोग से संबंधित कई सफल शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जनसेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

श्रीचेतन ज्योति आश्रम हरिद्वार उत्तराखंड द्वारा गुरुजन पावन स्मृति श्रद्धांजलि समारोह सम्पन्न

शाहाबाद मारकंडा, 26 अप्रैल (रूबी): श्री चेतन ज्योति आश्रम भूपतवाला हरिद्वार उत्तराखंड द्वारा गुरुजन पावन स्मृति श्रद्धांजलि समारोह धूम-धाम से सम्पन्न हुआ। महन्त ऋषीश्वरानन्द महाराज, महन्त शिवम महाराज वं समस्त ट्रस्टीगणों द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। महन्त ऋषीश्वरानन्द महाराज ने बताया कि यह कार्यक्रम परमपूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर 108 श्री स्वामी रामानन्द महाराज की पुण्यतिथि पर आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि 23 अप्रैल को श्री रामचरितमानस अखंड पाठ, 24 को श्री रामचरितमानस अखंड पाठ का भोग, रात्रि भजन संध्या व 25 अप्रैल को प्रात-8 से 10 बजे तक सुंदरकांड पाठ, श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। उपरांत भंडारे लगाया गया। जिसमें सैंकड़ो श्रद्धालुओं ने प्रसाद चखा। रामानन्द महाराज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। बाबा हठयोगी कार्यक्रम संयोजक रहे। संत-महंत, महामंडलेश्वर, धर्माचार्यों, गुरुजन एवं श्रद्धालु भक्तगणों ने गुरुदेव ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर 108 श्री स्वामी रामानन्द महाराज की पावन पुण्यतिथि पर नमन किया।

गांव पीपल मंगोली के पास टिप्पर की चपेट में आने से बाइक सवार घायल

घनौर 26 अप्रैल (राजिंदर सिंह कंबोज) खबर है कि शंभू से घनौर जाने वाले नेशनल हाईवे पर गांव पीपल मगोली से जंड मगोली जाने वाले लिंक रोड पर एक मोटरसाइकिल सवार को टिपर की टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मोटरसाइकिल चकनाचूर हो गई। जानकारी के मुताबिक, एक मोटरसाइकिल सवार गांव पीपल मगोली से जंड मगोली जाने वाले लिंक रोड पर जा रहा था। जब वह मोटरसाइकिल सवार लिंक रोड पर गांव जंड मगोली के पास पहुंचा तो पीछे से आ रहे एक टिपर ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में मोटरसाइकिल टिपर के टायरों के नीचे आ गई और ड्राइवर घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब हमने इस मामले में टिपर के मालिक जसबीर सिंह सोगल से बात की तो उन्होंने कहा कि यह हादसा टिपर की टाई पिन ढीली होने की वजह से हुआ, और इसमें ड्राइवर की कोई गलती नहीं थी। जब हमने इस मामले में पुलिस स्टेशन चीफ घनौर गुरमख सिंह से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा कि इस एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की हालत स्थिर है और इस मामले में दोनों पक्षों को बुलाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हीट वेव को लेकर स्कूलों में अलर्ट जारी

अमृतसर 26 अप्रैल (निस) जिले में बढ़ती गर्मी और हीट वेव के खतरे को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों के लिए अहम निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा विभाग के निदेशक द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिए गए हैं कि गर्मी के मौसम के दौरान बच्चों की सेहत और सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाए।पत्र में कहा गया है कि हीट वेव के कारण गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं, इसलिए स्कूल प्रबंधन को नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी की गाइडलाइंस के अनुसार पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यार्थियों को गर्मी से बचाव के प्रति जागरूक किया जाए और स्कूलों में आवश्यक प्रबंध किए जाएं। विभाग द्वारा जारी पब्लिक हैल्थ एडवाइजरी में लोगों को दिन के दौरान अधिक से अधिक पानी पीने, धूप से बचने, हलके कपड़े पहनने और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी गई है।

सीएम मान ने सभी उपायुक्तों को समय सीमा से पहले बाढ़ सुरक्षा कार्य पूरे करने के सख्त निर्देश दिए

चंडीगढ़, 26 अप्रैल (निस)आगामी मानसून सीजन के मद्देनजर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज डिप्टी कमिश्नरों को बाढ़ सुरक्षा से जुड़े सभी कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए और किसी भी तरह की लापरवाही पर व्यक्तिगत जवाबदेही तय करने की चेतावनी दी।एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने नालों और संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की तुरंत सफाई, गाद निकालने, प्रदूषण नियंत्रण उपायों को तेज करने और लंबित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि बारिश से पहले सभी प्रबंध पूरे हो सकें।मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, जिनके साथ राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल भी मौजूद थे, ने पूरे पंजाब में बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ड्रेनों और नदियों की योजना सिंचाई विभाग के इंजीनियरों के साथ समन्वय करके तैयार की जानी चाहिए, ताकि नियमित रूप से डी-सिल्टिंग, सफाई और मजबूती सुनिश्चित की जा सके।उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इससे मानसून के दौरान लोगों को बाढ़ के खतरे से बचाने में मदद मिलेगी और हर अधिकारी इस कार्य के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा। उन्होंने गिद्दड़पिंडी रेलवे पुल समेत अन्य संभावित बाढ़ स्थलों की शीघ्र सफाई के निर्देश दिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से बचा जा सके। बुड्ढा नाले की सफाई के बारे में मुख्यमंत्री ने बताया कि पवित्र बुड्ढा नाले के पानी को लुधियाना शहर के शुरुआती बिंदु तक साफ कर दिया गया है और आगे का कार्य जारी है। उन्होंने डेयरियों से नाले में जाने वाले गोबर की सख्ती से जांच करने और नगर निगम द्वारा उसके उचित निस्तारण को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि हेबोवाल में सीबीजी प्लांट को जल्द चालू किया जाए और ताजपुर में प्रस्तावित प्लांट के लिए 2.5 एकड़ भूमि आवंटन का प्रस्ताव एक सप्ताह के भीतर अंतिम रूप दिया जाए। औद्योगिक गंदे पानी के उचित उपचार और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। पानी के प्रवाह और प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि चिट्टी वेईं में 200 क्यूसिक पानी छोड़ने के लिए सिम्बली में रेगुलेटर चालू किया जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर पुलों में तकनीकी सुधार और काला संघियां ड्रेन में प्रदूषण कम करने के लिए बिस्त दोआब नहर से 100 क्यूसिक पानी छोड़े जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने आगे कहा कि स्टोन लायनिंग का कार्य पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने डेयरी अपशिष्ट को नालों में डालने पर सख्ती से रोक लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि इस संबंध में जिम्मेदारी तय की जाएगी।

पुरानी अनाज मंडी में श्रीरामायण जी के पाठ संपन्न श्रद्धा एवं भावना से भोग डाले गए

सुनाम उधम सिंह वाला 26 अप्रैल (मोहन शर्मा)पुरानी अनाज मंडी में सुनाम मे श्री रामायण जी के पाठ श्रद्धा और आदर के साथ पूरा हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्तों ने शामिल होकर माथा टेका और आशीर्वाद लिया। धार्मिक माहौल में भजन, कीर्तन और सत्संग भी हुए, जिससे पूरा इलाका भक्ति भय हो गया इस मौके पर श्री रामायण जी की आरती की गई और श्री राम लला के जय कारे लगाएं इस अवसर पर इलाके के राजनीतिक नेता, जिनमें भाजपा जिला अध्यक्ष मैडम दमन बाजवा, हरमन बाजवा, शिरोमणि अकाली दल हलका इंचार्ज स. विनरजीत सिंह गोल्डी, कांग्रेस नेता राजिंदर दीपा, राजिंदर राजा, अमनवीर चेरी, प्रदीप मेनन और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए और भगवान श्री राम जी का आशीर्वाद प्राप्त किया और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता और भाईचारा मजबूत करते हैं। इस मौके पर चीफ गेस्ट और पूर्व रोटरी गवर्नर, श्री घनश्याम काशलं और उनके परिवार ने पूरे रीति-रिवाज से पूजा करवाई और महिला कीर्तन संकीर्तन मंडली ने भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को निहाल कर दिया।

जानकी सीता माता का जन्मोत्सव मनाया

फाजिल्का, 26 अप्रैल (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह) ॅ स्थानीय श्री राम संकीर्तन सभा मंदिर में जानकी सीता माता का जन्मोत्सव (नवमी) श्रद्धापूर्वक हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर सुंदर काण्ड के पाठ के उपरांत महिला श्रद्धालुओं ने सीता माता की मूर्ति पर पुष्पवर्षा कर नमन किया। श्रद्धालुओं द्वारा संकीर्तन के माध्यम से भगवान श्री राम व सीता माता का प्रसंग भी सुनाया गया बाद में प्रसाद वितरित किया गया।

अजायब सिंह को सदमा, पत्नी का निधन

राजपुरा 26 अप्रैल (राजिंदर सिंह कंबोज)घनौर विधानसभा क्षेत्र के गांव चमारू के पूर्व सरपंच और ब्लॉक समिति सदस्य गुरविंदर सिंह और एस पी सिंह के छोटे भाई अजायब सिंह को उस समय गहरा सदमा लगा जब उनकी पत्नी सरबजीत कौर का निधन हो गया। इस मौके पर पूर्व स्नरु मदन लाल जलालपुर और पूर्व स्नरुहरदयाल सिंह कंबोज, अध्यक्ष गुरदीप सिंह ऊंटसर, चेयरमैन अच्छर सिंह, चेयरमैन अमरजीत सिंह थूहा, अमरीक सिंह खानपुर के अलावा इलाके के सरपंच और पंचों ने परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उनकी अंतिम प्रार्थना 3 मई को दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक राजपूरा के नजदीक गांव चमारू के गुरुद्वारा सिंह सभा में होगी।

मन की बात ...

पृष्ठ एक का शेष ...स्वास्थ्य क्षेत्र को बहुत लाभ हुआ है। खेती-किसानी से लेकर आधुनिक इनोवेटर्स को भी भारत के सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम ने बहुत मदद की है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज मैं एक ऐसी शक्ति की बात करना चाहता हूं जो अदृश्य है, लेकिन जिसके बिना हमारा देश एक पल भी न चले। यही ताकत भारत को आगे बढ़ा रही है। यह हमारी पवन शक्ति है... आज यही पवन शक्ति भारत के विकास की नई कहानी लिख रही है। भारत ने हाल ही में पवन ऊर्जा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

मई महीने की शुरुआत एक पावन अवसर के साथ होने जा रही है। कुछ ही महीनों में हम बुद्ध पूर्णिमा मनाएंगे। मैं आप सभी देशवासियों को अपनी अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। भगवान गौतम बुद्ध का जीवन संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने हमें सिखाया है कि शांति हमारे भीतर से शुरू होती है। उन्होंने बताया है कि स्वयं पर विजय सबसे बड़ी विजय होती है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 133वें संस्करण में कहा, पूर्वोत्तर हम सबके लिए अष्टलक्ष्मी है, यहां भरपूर प्रतिभा है और पूर्वोत्तर की प्राकृतिक सुंदरता भी सबका ध्यान खींचती है। मन की बात में भी हम अक्सर पूर्वोत्तर के लोगों की उपलब्धियों की चर्चा करते आए हैं,

ऐसी ही एक और उपलब्धि की मैं चर्चा करूंगा और वह है बांस क्षेत्र में पूर्वोत्तर की सफलता। जिस चीज़ को कभी बोझ के रूप में देखा जाता था, वह आज रोजगार, कारोबार और नवाचार को नई गति दे रही है। हमारी माताएं-बहनें इसकी सबसे बड़ी लाभार्थी हैं।

ट्रम्प की पार्टी में गोली चली...

पृष्ठ एक का शेष ... उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस सुरक्षा घटना के बाद पूरी तरह सकुशल हैं। प्रधानमंत्री ने उनके अच्छे स्वास्थ्य और निरंतर सुरक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी जीवंत लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए और ऐसी घटनाओं की पूरी तरह से निंदा की जानी चाहिए।भारत के साथ-साथ अन्य वैश्विक नेताओं ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी की सुरक्षा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हिंसा कभी भी किसी समस्या का समाधान या रास्ता नहीं हो सकती। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी राहत की सांस लेते हुए कहा कि राजनीतिक हिंसा लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है और उनकी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस भयावह घटना से प्रभावित हुए हैं। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी और कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने भी इसे लोकतंत्र और स्वतंत्र प्रेस की बुनियाद पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई सराहनीय है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा को किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल वॉशिंगटन पुलिस और एफबीआई इस मामले की जांच कर रही है ताकि इस सुरक्षा चूक के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। बता दें कि एक प्रतिष्ठित आयोजन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और विदेश सचिव मार्को रूबियो सहित कई शीर्ष अमेरिकी नेता और गणमान्य अतिथि मौजूद थे। गनीमत यह रही कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की त्वरित कार्रवाई के चलते सभी मेहमान सुरक्षित हैं। जैसे ही होटल की लॉबी में गोलियों की आवाज सुनाई दी, सुरक्षा एजेंटों ने तत्परता दिखाते हुए राष्ट्रपति, फर्स्ट लेडी और कैबिनेट के अधिकारियों को मंच से हटाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। घ्अन्य साथियों के सुरक्षित होने की पुष्टि की और घोषणा की कि यह कार्यक्रम अगले 30 दिनों के भीतर पुन: आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नाकाबंदी के दौरान बड़ी कामयाबी, चोरी के 8 दोपहिया वाहन बरामद

बटाला 26 अप्रैल (निस) थाना सिटी की पुलिस ने चोरी के 7 मोटर साइकिलों और स्कूटी सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस संबंधी जानकारी देते हुए एस.एच.ओ सुखजिन्द्र सिंह ने बताया कि एस.एस.पी बटाला डा. महताब सिंह और डी.एस.पी सिटी सुखइन्द्र सिंह के दिशा निर्देशों के तहत पुलिस द्वारा चोर लूटेरों के विरुद्ध विशेष मुहिम चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी श्रृंखला के तहत एस.आई सूवम कुमार ने पुलिस पार्टी सहित बैंक कालोनी से नाकाबंदी दौरान सुरजीत सिंह निवासी कादियां को एक चोरीशुदा मोटर साइकिल सहित काबू किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उक्त व्यक्ति से पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही से 6 और चोरी के मोटर सइकिल और एक चोरीशुदा स्कूटी भी बरामद की है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार करके उसके विरुद्ध केस दर्ज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा उक्त व्यक्ति को माननीय अदालत में पेश करके उसका रिमांड हासिल किया जाएगा और इससे और खुलासे होने की उम्मीद है।

कबाड़ की फैक्ट्री में भीषण आग का तांडव, काले धुएं के गुच्छों से ढका आसमान

दोराहा/पायल 26 अप्रैल (निस) कबाड़ की फैक्ट्री में भीषण आग लगने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, दोराहा-पायल रोड पर स्थित गांव बिशनपुरा में कबाड़ प्रोसेसिंग यूनिट 'बी लाल स्टील श्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड' में शनिवार बाद दोपहर अचानक भीषण आग लग गई और कुछ ही मिनटों में आग की लपटों ने फैक्ट्री के ज्यादातर हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और हर तरफ तबाही मचा दी। आग की लपटें इतनी ऊंची उठ गईं कि काले घने धुएं के गुच्छों ने पूरे आसमान को ढक लिया और दूर-दूर तक यह मंजर स्पष्ट रूप से देखा गया। फैक्ट्री के अंदर बड़े पैमाने पर पड़ा लोहे का कबाड़, वाहनों के पुर्जे और अन्य ज्वलनशील सामग्री आग की चपेट में आ गई, जिसके कारण आग ने तुरंत भीषण रूप धारण कर लिया। आग के साथ-साथ धमाकों जैसी तेज आवाजें भी लगातार सुनाई दीं, संभव है कि ये धमाके कबाड़ में मौजूद बंद टैंकों या मशीनरी के हिस्सों के कारण हुए हों। मिली जानकारी के अनुसार घटना संबंधी इमरजेंसी नंबर 112 पर कॉल प्राप्त हुई थी। उस समय फैक्ट्री में दर्जनों कर्मचारी काम कर रहे थे। आग के अचानक फैलने के कारण कुछ कर्मचारी इसकी चपेट में आकर घायल होने की भी खबर है। घायलों को तुरंत नजदीकी सिद्धू अस्पताल दोराहा में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों में महिला कर्मचारी भी शामिल होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि कंपनी प्रबंधन द्वारा इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

हवालात का ताला तोड़कर भागे 2 आरोपी, पुलिस के फूले हाथ-पांव

गुरदासपुर 26 अप्रैल (निस) बटाला पुलिस के तहत आने वाले सेखवां थाने से बीती रात दो आरोपी जेल से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार दोनों आरोपियों में से एक के ऊपर मर्डर के लिए 302 के तहत केस दर्ज था जबकि दूसरे पर ड्रग ट्रैफिकिंग का केस दर्ज था। इस मामले के बारे में जानकारी देते हुए डी.एस.पी. (छ्स्क्) सिटी सुख इंदर सिंह ने बताया कि गुरमीत सिंह पर मर्डर का केस दर्ज था। गुरमीत सिंह का पुलिस को एक दिन का रिमांड मिला था। वहीं दूसरे आरोपी पर ड्रग ट्रैफिकिंग का केस दर्ज था, जिसका नाम हरपाल सिंह है। ये दोनों आरोपी अलग-अलग जेल में बंद थे और गत रात जेल का ताला तोड़कर फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं जो आरोपियों को ढूंढने में लगी हुई हैं। साथ ही इस मामले की जांच भी की जा रही है कि किसकी लापरवाही से दोनों आरोपी भागने में कामयाब हुए हैं।

जीएवी जैन आदर्श स्कूल में क्लास डेकोरेशन एवं नोटबुक कवर प्रतियोगिता आयोजित

फाजिल्का, 26 अप्रैल (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह) ॅ स्थानीय जीएवी जैन आदर्श विद्यालय में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से क्लास डेकोरेशन और नोटबुक कवर सजाने की प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। स्कूल के चेयरमैन अनिल कुमार जैन और प्रिंसिपल नरेश सपड़ा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर चेयरमैन अनिल कुमार जैन ने अपने संदेश में कहा कि बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को बाहर लाने के लिए ऐसे मंच प्रदान करना विद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कला और सृजनशीलता बच्चों के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने अपनी कलात्मक सोच का प्रदर्शन करते हुए कक्षाओं को आधुनिक और शिक्षाप्रद तरीके से सजाया। प्रिंसिपल नरेश सपड़ा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों में टीम वर्क की भावना और कला के प्रति रुचि पैदा होती है। पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत अनिवार्य है। भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन जारी रखने का आश्वासन दिया गया।

खनौरी में 14 करोड़ रुपए की लागत से लगेगा पीने योग्य स्वच्छ नहरी पानी का प्रोजेक्ट-वरिंद्र गोयल

खनौरी/संगरूर, 26 अप्रैल (मोहन शर्मा) पंजाब के जल संसाधन मंत्री बरिंदर गोयल ने खनौरी निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए घोषणा की कि खनौरी के लिए 14 करोड़ रुपये खर्च कर पीने योग्य स्वच्छ नहरी पानी का प्रोजेक्ट लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने खनौरी को हमेशा नजरअंदाज किया और यहां के लोगों को अपने हाल पर छोड़ दिया, जबकि मान सरकार ने खनौरी वासियों की समस्याओं को गंभीरता से लिया है। आज खनौरी में 1.2 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि अमृत-02 योजना के तहत खनौरी के लोगों को भाखड़ा नहर से पानी लेकर उसे शुद्ध कर 24 घंटे, सातों दिन पीने योग्य स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है और कुछ ही दिनों में इसका कार्य शुरू कर दिया जाएगा।बरिंदर गोयल ने गलियों, नालियों और अन्य कार्यों के साथ-साथ इस अवसर पर गौशाला के सामने पार्क में 31 लाख रुपये की लागत से नया ट्यूबवेल लगाने का काम भी शुरू करवाया। कैबिनेट मंत्री ने आगे बताया कि खनौरी में बिजली आपूर्ति की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नया बिजली ग्रिड भी मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा मंजूर कर दिया गया है और इसके लिए डेढ़ किला जमीन की पहचान कर अगली कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पहले यहां शेरगढ़ गांव के बिजली घर से आपूर्ति की जाती थी, जिसके कारण फसल सीजन के दौरान लोगों को भारी बिजली कटौती का सामना करना पड़ता था। उन्होंने अफसोस जताया कि पिछली सरकारों ने खनौरी की इन बुनियादी समस्याओं पर कभी ध्यान नहीं दिया।

ड्राइविंग टैस्ट देने वालों को झटका, लुधियाना में ट्रैक पर बनी नई मुसीबत, परेशानी में आवेदक

लुधियाना 26 अप्रैल (निस) सैक्टर-32 स्थित ड्राइविंग टैस्ट ट्रैक पर उगी घास इन दिनों आवेदकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। ड्राइविंग लाइसैंस के लिए टैस्ट देने आने वाले कई उम्मीदवारों का कहना है कि ट्रैक की खराब स्थिति के चलते उन्हें अनावश्यक रूप से असफल होना पड़ रहा है। खासतौर पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों के टैस्ट के दौरान संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि ट्रैक के कई हिस्सों में घास इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है कि सही रास्ता स्पष्ट नहीं दिखता। आवेदकों के मुताबिक, ड्राइविंग टैस्ट एक तकनीकी प्रक्रिया होती है, जिसमें सटीकता और नियंत्रण बेहद जरूरी होता है। लेकिन जब ट्रैक ही साफ न हो, तो उम्मीदवार अपनी पूरी क्षमता नहीं दिखा पाते। कई उम्मीदवारों ने बताया कि वे टैस्ट की पूरी तैयारी करके आते हैं, लेकिन घास के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है या निर्धारित लाइन का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे वे फेल हो जाते हैं। इससे न केवल उनका समय खराब होता है, बल्कि दोबारा फीस भरने और नई तारीख लेने की परेशानी भी झेलनी पड़ती है। कुछ उम्मीदवारों ने यह भी आरोप लगाया कि लंबे समय से ट्रैक की सही तरीके से देखरेख नहीं की जा रही है। नियमित सफाई और रखरखाव की कमी के कारण यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। कई लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ड्राइविंग टैस्ट जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया के लिए ट्रैक को पूरी तरह मानकों के अनुरूप रखा जाए, ताकि किसी भी आवेदक के साथ अन्याय न हो। वहीं, ट्रैक इंचार्ज मोहम्मद शबीर ने भी इस समस्या पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि ट्रैक की स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब , सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड , पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985